आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 158 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, गुरुवार, 12 जून, 2025

पार्थिव शरीर को कंधा देकर दी अंतिम विदाई... मुख्यमंत्री साय ने शहीद एएसपी आकाश राव गिरपुंजे को दी श्रद्धांजलि

सुरक्षाबलों की सफल कार्रवाइयों से नक्सली बौखलाए : सीएम साय

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज सुकमा जिले के कोंटा में नक्सलियों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण आईईडी विस्फोट में शहीद हुए एएसपी आकाश राव गिरपुंजे को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें अंतिम विदाई दी। मुख्यमंत्री साय ने माना स्थित चौथी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल परिसर पहुंचकर शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा शहीद के पार्थिव शरीर को कंधा देकर सम्मानपूर्वक विदाई दी।

मुख्यमंत्री साय ने शहीद गिरपुंजे के शोक-संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएँ प्रकट कीं और उन्हें इस कठिन समय में ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद एएसपी आकाश राव गिरपुंजे ने अपने कर्तव्य के प्रति अदम्य साहस, निष्ठा और समर्पण का परिचय देते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। हमें उन पर गर्व है। सरकार इस दुःख की घड़ी में उनके परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि लगातार हो रही सुरक्षाबलों की सफल कार्रवाइयों से नक्सली बौखलाए हुए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शहीद गिरपुंजे की वीरता और देशभक्ति को सदैव याद रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री के साथ इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक पुरन्दर मिश्रा, अपर मुख्य सचिव गृह विभाग मनोज कुमार पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, शहीद के परिजन, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

भगवान जगन्नाथ का स्नान यात्रा महोत्सव

भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ हुआ महास्नान

एजेंसी ● नई दिल्ली

आज यानी कि 11 जून को स्नान पूर्णिमा मनाई जा रही है। इस दिन भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ श्री मंदिर में भक्तों के सामने स्नान करते हैं। उड़ीसा की पुरी में पूरे साल में सिर्फ इसी दिन भगवान जगन्नाथ को मंदिर में ही बने सोने के कुंए के पानी से नहलाया जाता है, इसलिए इसे स्नान पूर्णिमा कहते हैं।

वहीं, अहमदाबाद में साबरमती नदी के जल से भगवान को स्नान कराया जाता है। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा 27 जून को निकलेगी।

महास्नान के बाद बीमार हो जाते हैं भगवान

स्नान के लिए सोने के 108 घड़ों में पानी भरा जाता है, उनमें कस्तूरी, केसर, चंदन और कई तरह की औषधियां मिलाई जाती हैं। स्नान मंडप में तीन बड़ी चौकियों पर भगवानों को विराजित किया जाता है। भगवान पर कई तरह के सूती कपड़े लपेटते हैं, ताकि उनकी काष्ठ काया पानी से बची रहे। फिर भगवान जगन्नाथ को 35, बलभद्र जी को 33, सुभद्राजी को 22 घड़ों के पानी से नहलाया जाता है। इस महा-स्नान के बाद भगवान अस्वस्थ हो जाते हैं।

मान्यताः सोने की ईंट वाला कुआं, इसमें सभी तीर्थों का जल होता है यह 4-5 फीट चौड़ा वर्गाकार कुआं है। ये जगन्नाथ मंदिर प्रांगण में ही देवी शीतला और उनके वाहन सिंह की मूर्ति के ठीक बीच में बना है। इसमें नीचे की तरफ दीवारों पर पांड्य राजा इंद्रद्युम्न ने सोने की ईंटें लगवाईं थीं। मंदिर के पुजारियों का कहना है कि इस इस कुएं में कई तीर्थों का जल है।

27 जून को देश भर में निकलेगी रथयात्रा

बीमार होने पर भगवान को रखा जाता है एकांतवास में

अत्यधिक स्नान के बाद भगवान को ज्वर आ जाता है और वे "अनवसर" या एकांतवास में चले जाते हैं। पंद्रह दिनों तक मंदिर के पट बंद कर दिए जाते हैं। इस दौरान केवल वैद्य रुपी कुछ सेवक भगवान की सेवा करते हैं। भगवान जगन्नाथ को आरामदायक श्वेत सूती वस्त्र पहनाए जाते हैं, आभूषण हटा दिए जाते हैं और आहार में केवल फल, जूस व तरल पदार्थ दिए जाते हैं। पांचवें दिन उड़िया मठ से विशेष फुलेरी तेल आता है, जिससे हल्की मालिश की जाती है। भगवान पर रक्त चंदन व कस्तूरी का लेप भी किया जाता है। दशमूलारिष्ट नामक औषधीय काढ़े में नीम, हल्दी, हरड़, बहेड़ा, लौंग आदि जड़ी-बूटियों को मिलाकर मोदक बनाकर भगवान को अर्पित किए जाते हैं। यह आयुर्वेदिक उपचार भगवान को पूर्ण स्वस्थ करता है, जिससे वे रथयात्रा के लिए पुनः तैयार हो जाते हैं।

15 दिनों की अनवसर पूजा

11 से 25 जून तक बीमार रहेंगे भगवान जगन्नाथ परंपरा के मुताबिक देवस्नान के बाद भगवान जगन्नाथ को बुखार आ जाता है, इसलिए वो 11 से 25 जून तक किसी को दर्शन नहीं देंगे।

बीमार होने पर पर भगवान को मुख्य सिंहासन पर न बैठाकर मंदिर में ही बांस की लकड़ी से बने कक्ष में रखा जाएगा। 15 दिनों तक 56 भोग की जगह औषधियों से युक्त सामग्री, दूध, शहद आदि चीजों का भोग लगता है। इसे ही भगवान की अनवसर पूजा कहा जाता है।

16 जून को अनवसर पंचमी पर भगवान के अंगों में आयुर्वेद के विशेष तेल की मालिश होगी। उसे फुल्लरी तेल कहते हैं। माना जाता है कि ये तेल लगाने के बाद भगवान को धीरे-धीरे बुखार से राहत मिलने लगती है।

20 को अनवसर दशमी रहेगी इस दिन भगवान रत्न सिंहासन पर विराजमान हो जाएंगे।

21 को भगवान के शरीर पर विशेष औषधियां लगेंगी। उसको खलि लागि कहते हैं।

25 को भगवान के विग्रह को ठीक कर के सजाया जाएगा।

26 को नव यौवन दर्शन होंगे। इस दिन रथयात्रा के लिए भगवान से आज्ञा ली जाएगी।

27 को सुबह गुंडिचा रथयात्रा शुरू होगी।

गोल्डी बराड़ का दावा- सिद्धू मूसेवाला लॉरेंस बिश्नोई के संपर्क में था

अहंकार में आकर उसने गलतियां की, हमारे पास और कोई ऑप्शन नहीं था

एजेंसी ● जालंधर

पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला पर BBC की डॉक्यूमेंट्री में विदेश में बैठे गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने कहा कि उसी ने सिद्धू मूसेवाला को मरवाया है। बीबीसी को दिए एक इंटरव्यू में गोल्डी बराड़ ने कहा- 'अपने अहंकार में आकर उसने (मूसेवाला) ने ऐसी गलतियां की थीं, जिन्हें माफ नहीं किया जा सकता था।'

उसने आगे कहा कि सिद्धू हमारे दुश्मनों को प्रमोट कर रहा था। लॉरेंस और बाकी लोग उससे नाराज थे। हमने उसे समझाया, लेकिन वो नहीं माना। सिद्धू लॉरेंस के संपर्क में था।

डॉक्यूमेंट्री में सुनाई देने वाले ऑडियो को एक कनाडाई पत्रकार के हवाले से शामिल किया गया है। बुधवार (11 जून) को सिद्धू मूसेवाला के बर्थडे पर इस डॉक्यूमेंट्री को रिलीज किया गया है। हालांकि इसको लेकर सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह आपत्ति जता चुके हैं। उन्होंने कोर्ट का रुख किया था।

सिद्धू मूसेवाला की 29 मई 2022 को मानसा जिले के जवाहरके गांव में 6 शूटरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर हत्या कर दी थी। इसकी जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस ने ली थी।

कबड्डी टूर्नामेंट में प्रोग्राम से रोका, वो नहीं माना

इंटरव्यू में बराड़ ने कहा कि हमने सिद्धू को कहा था कि वह हमारे दुश्मनों के कबड्डी टूर्नामेंट में प्रोग्राम न करे। सिद्धू ने ये बात नहीं मानी और प्रोग्राम किया। इससे सिद्धू ने हमारे दुश्मनों को प्रोमोट किया। ये प्रोग्राम बंबीहा गैंग के मुख्य सदस्य मंदीप धालीवाल के कहने पर हुआ। इसके बाद लॉरेंस और मूसेवाला के बीच नाराजगी हुई। इसके बाद मूसेवाला को धमकी दी गई कि तुम्हें छोड़ेंगे नहीं।

सिद्धू मूसेवाला

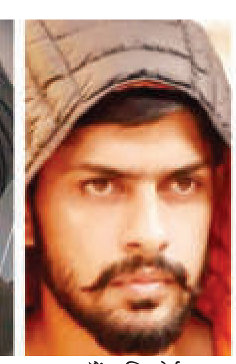

लॉरेंस बिश्नोई

गोल्डी बराड़

मूसेवाला ने लॉरेंस की चापलूसी भी की

बराड़ ने आगे कहा कि सिद्धू मूसेवाला लॉरेंस के संपर्क में था। मुझे नहीं पता कि लॉरेंस से सिद्धू को किसने मिलवाया, न ही मैंने कभी लॉरेंस से इस बारे में पूछा। मूसेवाला लॉरेंस की चापलूसी कर रहा था। वह उसे रोजाना गुड मॉर्निंग और गुड नाइट के मैसेज भेज रहा था।

मूसेवाला को खुद पर अहंकार हो गया था

गोल्डी बराड़ ने कहा- मूसेवाला अपने अहंकार की वजह से मारा गया है। कुछ ऐसी गलतियां मूसेवाला ने कीं, जिन्हें माफ नहीं किया जा सकता। हमारे पास उसे मारने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उसे अपने किए का परिणाम भुगतना था। बात यहां तक पहुंच चुकी थी कि या तो वो रहेगा या फिर हम रहेंगे, बस इतना ही।

विक्की मिड्डूखेड़ा मर्डर के बाद हत्या का प्लान बनाया

बराड़ ने आगे कहा कि मूसेवाला और लॉरेंस के बीच चल रहे विवाद को पंजाब यूनिवर्सिटी में अपना वर्चस्व रखने वाले विक्की मिड्डूखेड़ा ने खत्म करवाया था। मगर इस बीच अगस्त 2021 में मोहाली में विक्की मिड्डूखेड़ा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उक्त हत्या में पुलिस ने मूसेवाला के करीबी शगनप्रीत सिंह के हाथ होने का दावा किया।

हर कोई सिद्धू की भूमिका को जानता था

बराड़ ने कहा कि हर कोई सिद्धू की भूमिका जानता था, जांच कर रही पुलिस जानती थी, यहां तक कि मीडिया भी जानती थी। सिद्धू राजनेताओं और सत्ता में बैठे लोगों से मिला हुआ था। वह हमारे राइवल्स की मदद करने के लिए राजनीतिक शक्ति, धन और अपने संसाधनों का इस्तेमाल कर रहा था। हम चाहते थे कि उसे उसके किए की सजा मिले। उस पर मुकदमा चलना चाहिए था। उसे जेल जाना चाहिए था।

मुझे किसी भी तरह का पछतावा नहीं

बराड़ से जब पत्रकार ने कहा कि भारतीय कानून पर आपको यकीन रखना चाहिए था, कानून अपने हाथ में लेना क्यों जरुरी था, तो इस पर उसने कहा कि कानून और न्याय जैसी कोई चीज नहीं होती है। केवल शक्तिशाली लोग ही न्याय पा सकते हैं। हमारे जैसे आम लोग नहीं। मैंने अपने भाई के लिए वही किया जो मुझे करना था। मुझे किसी भी तरह का पछतावा नहीं है।

एलजी मनोज सिन्हा ने की बाबा बर्फानी की प्रथम पूजा

एजेंसी ● जम्मू

श्रीअमरनाथ गुफा से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आई है। बुधवार को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बाबा बर्फानी को नमन किया और पवित्र गुफा में 'प्रथम पूजा' की। इस तरह उन्होंने वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा की औपचारिक शुरुआत की है। इस मौके पर उपराज्यपाल सिन्हा ने बाबा अमरनाथ से सभी पर अपना दिव्य आशीर्वाद बनाए रखने की प्रार्थना की।

इस साल भी जम्मू-कश्मीर प्रशासन, श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड, सेना, बीआरओ, सीएपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सभी हितधारक 3 जुलाई से शुरू होने वाली परेशानी मुक्त और सुरक्षित तीर्थयात्रा के लिए पूरी निष्ठा, समर्पण, सहयोग और स्पष्ट उद्देश्यों के साथ काम कर रहे हैं। इस मौके पर उपराज्यपाल सिन्हा ने बाबा बर्फानी के सभी भक्तों से अनुरोध किया कि वे पवित्र यात्रा के लिए बड़ी संख्या में यहां आएं और महादेव से जम्मू-कश्मीर और देश की प्रगति के लिए प्रार्थना करें। उन्होंने कहा कि एसएएसबी और प्रशासन ने तीर्थयात्रियों की सुविधाओं में सुधार किया है। जेकेपी, सेना, सीआरपीएफ, सीएपीएफ ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

मेघालय DIG का बड़ा खुलासा- सभी ने हत्या कबूली

एजेंसी ● शिलांग

राजा रघुवंशी की हत्या मामले में पत्नी सोनम रघुवंशी की गिरफ्तारी के बाद मेघालय DIG डेविस मारक ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि सोनम के साथ ही बाकी चारों आरोपियों ने हत्या कबूल ली है। विशाल, आनंद, आकाश ने पूछताछ में बताया कि सोनम ने इस हत्या में पूरी मदद की। यहां तक कि राजा को खाई से नीचे फेंकने में भी उसी का हाथ था।

डीआईजी ने बताया कि अभी सभी आरोपियों ने हत्या में शामिल होना कबूल कर लिया है, लेकिन हत्याकांड का मास्टरमाइंड कौन है, यह अभी कोई मानने को तैयार नहीं है। इस मामले में चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि राज पूरे हत्याकांड का मास्टरमाइंड सोनम को बता रहा है। वहीं सोनम राज को मास्टरमाइंड बता रही है। सभी आरोपी एक-दूसरे पर ब्लेम गेम खेल रहे हैं। साथ ही खुद को बचाने के लिए एक-दूसरे को

मास्टरमाइंड बता रहे हैं। डीआईजी के अनुसार परिजनों ने बताया है कि राजा के पास दो और सोनम के पास भी दो यानी कुल चार मोबाइल थे, लेकिन हमें केवल एक मोबाइल मिला है जबकि तीन मोबाइल अब भी गायब है। ये सभी मोबाइल हत्याकांड के बाद 23 मई दोपहर दो बजे से ही बंद हैं। डीआईजी ने बताया कि सभी आरोपियों से पूछताछ के बाद साफ होगा कि मास्टरमाइंड कौन है। सभी को साथ में बैठाकर और अलग-अलग भी पूछताछ की जाएगी। सोनम के भाई गोविंद ने भी इंदौर में बयान दिया है कि उसकी बहन इस कांड में शामिल है, लेकिन वह पूरी प्लानिंग में शामिल नहीं हो सकती। उसका अकेले का प्लान नहीं हो सकता। डीआईजी ने यह भी साफ किया है कि कानूनी वाद के चलते घटनास्थल तो टूरिस्ट स्पॉट के रूप में बंद है। ये लोग फिर वहां कैसे पहुंचे, यह भी जांच का विषय है। क्या सोनम और किलर्स ने पहले ही वहां की रेकी कर ली थी। इस बारे में भी पूछताछ होगी। डीआईजी के अनुसार होटल में मिले सोनम के सूटकेस में ज्वेलरी, मोबाइल कुछ नहीं मिला। केवल मंगलसूत्र और एक रिंग थी। बाकी सोना जो परिजनों ने बताया कि राजा के पास काफी ज्वेलरी थी, वह गायब है।

सोनम और साथियों को 8 दिन की पुलिस हिरासत

शिलांग की एक अदालत ने मेघालय में हनीमून के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या की आरोपी सोनम रघुवंशी और उसके चार सहयोगियों को बुधवार को आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोनम को मंगलवार मध्य रात्रि को यहां लाया गया, जबकि अन्य आरोपी ट्रांजिट रिमांड पर बुधवार को पहुंचे। पूर्वी खासी हिल्स जिले के एसपी विवेक सायम ने बताया, "पुलिस ने सभी आरोपियों की 10 दिन की रिमांड मांगी थी। अदालत ने 8 दिन की पुलिस हिरासत मंजूर की। विशेष जांच दल ने सोहरा में अपराध स्थल की पुनःरचना के लिए आरोपियों की पुलिस हिरासत मांगी।

मेधावी छात्र हमारे समाज का भविष्य हैं: श्रीमती राधा सिंह, भोपाल, रायसेन एवं होशंगाबाद के 34 स्कूलों के 300 से अधिक छात्र हुए सम्मानित

रबींद्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी में मेधावी छात्र सम्मान का भव्य आयोजन संपन्न

संवाददाता ● भोपाल

आयोजन

रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए 'मेधावी छात्र सम्मान समारोह' का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में भोपाल, रायसेन और नर्मदापुरम के 34 प्रतिष्ठित विद्यालयों के 300 से अधिक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह रहीं। विशिष्ट अतिथियों में विश्वविद्यालय की प्रो. चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, प्रतिकुलपति डॉ. संजीव गुप्ता, कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी, तथा आयोजन समन्वयक एवं डीन एडमिशन डॉ.अनिल तिवारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि श्रीमती राधा सिंह ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा, 'मेधावी छात्र हमारे समाज का भविष्य हैं। उनकी मेहनत, लगन और प्रतिबद्धता से राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान संभव है। यह समारोह उन सभी छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत है, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से समाज को गौरवांवित किया है।

मेधावी छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने अपने स्वागत भाषण में शिक्षा के माध्यम से समाज के उत्थान पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के उत्थान का सशक्त उपकरण है। रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को कौशल और मूल्यों से समृद्ध बना रहा है। हमारी कोशिश है कि हर छात्र नवाचार, नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी में आगे बढ़े। मेधावी विद्यार्थियों की सफलता हम सभी के लिए गर्व का विषय है। इस मौके पर डॉ संजीव गुप्ता ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को एनईपी की जानकारी साझा की। वहीं डॉ संगीता जौहरी ने शिक्षा में नवाचार और गुणवत्ता की आवश्यकता पर बल दिया।

पुरस्कार वितरण में रायसेन के 15 स्कूलों जैसे शासकीय सीएम राइज स्कूल, शासकीय कन्या विद्यालय, एक्सीलेंस स्कूल, सेंट्रल स्कूल, राधाकृष्णन स्कूल, संदीपनी विद्यालय, ओरयंटल स्कूल, गैलेक्सी स्कूल, गिरधर पब्लिक स्कूल, सेंट पीटर्स स्कूल इत्यादि शामिल रहे। वहीं भोपाल के प्रमुख स्कूलों में डीएवी पब्लिक स्कूल, चित्रांश केडी मेमोरियल, एमपी जूनियर मॉडल स्कूल, विवेकानंद विद्यापीठ, गुरुनानक पब्लिक स्कूल, सेंगर पब्लिक स्कूल, भोपाल एकेडमी इत्यादि शामिल रहें। नर्मदापुरम के प्रमुख स्कूलों में सेठ गुरु प्रसाद अग्रवाल स्कूल, शासकीय एसएनजीएच स्कूल, शासकीय जीएचएस स्कूल, शासकीय एसएसपीएम स्कूल शामिल रहे। समारोह में रबींद्रनाथ टैगोर विश्ववोद्यालय की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रेरक फिल्म दिखाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मंच का संचालन सुश्री श्रेया शर्मा ने किया। कार्यक्रम के समापन पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

शॉट न्यूज

तत्काल टिकट बुकिंग नियमों में बड़ा बदलाव

भोपाल। भारतीय रेलवे द्वारा तत्काल टिकट योजना में पारदर्शिता, निष्पक्षता और आम यात्रियों को अधिक लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से तत्काल बुकिंग प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं। ये संशोधन 01 जुलाई 2025 से प्रभावी होंगे और चरणबद्ध रूप से लागू किए जाएंगे वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि तत्काल योजना के अंतर्गत बुकिंग प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए निम्नलिखित निर्णय लिए गए हैं 1 जुलाई 2025 से तत्काल योजना के अंतर्गत टिकट केवल उन्हीं यात्रियों को उपलब्ध होंगे जो आईआरसीटीसी की वेबसाइट अथवा मोबाइल ऐप के माध्यम से आधार प्रमाणीकरण द्वारा लॉगिन करेंगे। इसके अतिरिक्त, 15 जुलाई 2025 से सभी यात्रियों के लिए आधार आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण भी अनिवार्य कर दिया जाएगा। तत्काल टिकट अब रेलवे के कंप्यूटरीकृत पीआरएस काउंटर या अधिकृत एजेंटों के माध्यम से भी तभी बुक किए जा सकेंगे जब यात्री द्वारा दर्ज मोबाइल नंबर पर भेजे गए सिस्टम जनरेटेड ओटीपी का सत्यापन किया जाएगा। यह नियम भी 15 जुलाई 2025 से लागू किया जाएगा। रेलवे के अधिकृत टिकटिंग एजेंट अब तत्काल टिकट बुकिंग के पहले तीस मिनट (वातानुकूलित क्लास के लिए 10:00 से 10:30 बजे तक और गैर-वातानुकूलित क्लास के लिए 11:00 से 11:30 बजे तक) टिकट नहीं बुक कर सकेंगे।

IFL एंटरप्राइजेज लिमिटेड को 49.14 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी मिली

मुंबई। कृषि वस्तुओं के आयात, निर्यात और व्यापार सहित एग्री कोमोडिटी बिझनेस में लगी IFL एंटरप्राइजेज लिमिटेड (बीएसई – 540377) का 49.14 करोड़ रुपये का राइट्स इश्यू 19 जून, 2025 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 30 जून, 2025 तक खुला रहेगा। राइट्स इश्यू की कीमत आकर्षक रूप से 1 रुपये प्रति शेयर रखी गई है, जो मौजूदा शेयरधारकों को कंपनी में अपनी इक्विटी बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है। 9 जून 2025 को आयोजित बैठक में बोर्ड ओफ डिरेक्टर्स ने राइट्स इश्यू पर विचार किया और उसे मंजूरी दी। इससे पहले, कंपनी के बोर्ड ओफ डिरेक्टर्स ने 30 दिसंबर, 2024 को और 07 मार्च, 2025 के ड्राफ्ट लेटर ऑफ ऑफर को 50 करोड़ रुपये (पचास करोड़ रुपये) तक के प्रस्तावित राइट इश्यू के लिए 'सैद्धांतिक अनुमोदन' प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत किया और बीएसई लिमिटेड से 19 मई, 2025 के लेटर नंबर LOD/RIGHT/KS/FIP/213/2025-26 के माध्यम से 'सैद्धांतिक अनुमोदन' प्राप्त हुआ। 13 जून, 2025 को इक्विटी शेयर रखने वाले शेयरधारक प्रत्येक 91 फुल्ली पेईड इक्विटी शेयरों के लिए 60 राइट इक्विटी शेयरों के अनुपात में राइट शेयरों के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। REs के ऑन-मार्केट रेनुन्सिएशन की अंतिम तिथि 24 जून, 2025 है। राइट्स इश्यू में 1 रुपए अंकित मूल्य वाले 49,14,76,620 फुल्ली पेईड अप इक्विटी शेयर शामिल हैं।

सोलारियम ने सौर मॉड्यूल निर्माण में फिर से प्रवेश किया

नवीनतम तकनीक और 1 गीगावाट क्षमता के साथ आ रहा है

संवाददाता ● इंदौर

बिजनेस दर्पण भारत में रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट्स में मार्केट लीडर सोलारियम ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (सोलारियम) उच्च क्षमता वाली पूरी तरह से स्वचालित मशीनरी की नवीनतम तकनीक का उपयोग करके सौर मॉड्यूल निर्माण में फिर से प्रवेश करने की योजना बना रहा है। यह सुविधा अहमदाबाद, गुजरात, भारत में ₹1000 मेगावाट (MW) की उत्पादन क्षमता के साथ स्थापित की जाएगी, जिसमें अनुमानित परियोजना पूंजीगत व्यय ₹70 करोड़ + 3:1 के अनुपात में ऋण और इक्विटी के मिश्रण के माध्यम से आवश्यक कार्यशील पूंजी होगी। यह रणनीतिक कदम कंपनी की समेकन पहल का हिस्सा है। EPC परियोजनाओं में सौर मॉड्यूल आमतौर पर कुल परियोजना लागत का लगभग 50-60% हिस्सा होते हैं। इन-हाउस मॉड्यूल निर्माण सुविधा स्थापित करके, कंपनी का लक्ष्य लागत अस्थिरता को कम करना, परियोजना निष्पादन में तेजी लाना और मार्जिन में सुधार करना है, साथ ही अपनी आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करना है। यह सुविधा उच्च गुणवत्ता वाले आउटपुट और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए आयातित टेबर-स्ट्रिंगर, लेमिनेटर और सन सिमुलेटर का उपयोग करके टॉपकॉन सेल, हाफ-कट सेल और बाइफेसियल सेल जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग करके क्रिस्टलीय सिलिकॉन सौर पीवी मॉड्यूल के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करेगी।

बैकवर्ड इंटीग्रेशन और विनिर्माण क्षेत्र में प्रवेश के रणनीतिक कदम पर टिप्पणी करते हुए, सोलारियम के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री अंकित गर्ग ने कहा, 'हम विनिर्माण क्षेत्र में फिर से प्रवेश करने के लिए उत्साहित हैं और इस मॉड्यूल विनिर्माण से हमारी आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली तालमेल पर भरोसा है। एक सौर संयंत्र में 3 प्रमुख घटक होते हैं; सौर मॉड्यूल, इनवर्टर और संरचना। 85% संयंत्र उपयोग पर, संयंत्र सालाना 1,000+ करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न कर सकता है (यदि मॉड्यूल बाजार में बेचे जाते हैं)। मॉड्यूल के कैप्टिव उपयोग के दौरान, तीसरे पक्ष के मार्कअप को समाप्त करके, हम उन परियोजनाओं में सकल मार्जिन में 5%-8% सुधार देखने की उम्मीद करते हैं जहाँ इन मॉड्यूल का उपयोग किया जाता है।' इसके अलावा, सोलारियम गुजरात के बावला में अपनी मौजूदा सुविधा में सौर संयंत्र के तीन प्रमुख घटकों में से एक संरचना का निर्माण भी शुरू कर रहा है।

एटेन पेपर्स लिमिटेड का आईपीओ 13 जून, 2025 को खुलेगा

नई दिल्ली। एटेन पेपर्स लिमिटेड (एपीएल) ने 13 जून, 2025 को आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के साथ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की योजना की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने वाले शेयरों के माध्यम से 31.68 करोड़ रुपये तक जुटाना है। यह इश्यू 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य के 33,00,000 इक्विटी शेयरों के लिए है। 2019 में स्थापित एटेन पेपर्स एंड फोम लिमिटेड पेपर उत्पाद आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है। कंपनी पेपर उत्पाद आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख मध्यस्थ के रूप में कार्य करती है। कंपनी विभिन्न मिलों से कागज खरीदती है और पैकेजिंग उद्योग में ग्राहकों को इसकी आपूर्ति करती है। इन उत्पादों में क्राफ्ट पेपर और डुप्लेक्स बोर्ड शामिल हैं। कंपनी विभिन्न ग्रेड, मोटाई और आकारों में क्राफ्ट पेपर, डुप्लेक्स बोर्ड और अन्य उत्पाद प्रदान करती है। जबकि पेपर मिलों के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चे माल के रूप में रद्दी कागज खरीदने और बेचने के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करना। एटेन पेपर्स लिमिटेड का अहमदाबाद में पंजीकृत कार्यालय है। अहमदाबाद शहर के चांदगादर में इसका एक गोदाम भी है। कंपनी के पास रणनीतिक निर्णयों और दिन-प्रतिदिन के कार्यों की समझ में दो दशकों का अनुभव रखने वाली एक प्रबंधन टीम है। कंपनी आवश्यक मशीनरी स्थापित करके अहमदाबाद शहर में तीन स्थानों पर बेकार-रद्दी कागज प्रसंस्करण इकाइयाँ स्थापित करने की योजना बना रही है। प्रवर्तक श्री मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद इब्राहिम लखानी और श्रीमती अमरीन लखानी को उद्योग का गहरा ज्ञान, दृष्टि और समझ है।

जिनेवा में गूंजा भारत का नाम!

डॉ. अनुपम चौकसे ने ILO के वैश्विक मंच पर बढ़ाया देश का मान

संवाददाता ● भोपाल

दुनिया देख रही थी और भारत बोल रहा था! जिनेवा में चल रहे 113वें अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन (International Labour Conference - ILC) में डॉ. अनुपम चौकसे ने भारत की ओर से आवाज बुलंद की। यह सिर्फ मध्यप्रदेश ही नहीं, पूरे देश के लिए गर्व की बात है कि LNCT समूह के सचिव और JNCT प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भोपाल के चांसलर डॉ. चौकसे ने ILO के इस वैश्विक मंच पर भारतीय उद्योग और शिक्षा जगत का प्रतिनिधित्व किया।

त्रिपक्षीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बने डॉ. अनुपम चौकसे– डॉ. अनुपम चौकसे भारत सरकार के त्रिपक्षीय प्रतिनिधिमंडल (Indian Tripartite Delegation) में शामिल हैं, जिसमें सरकार, नियोक्ता और श्रमिक संगठनों के प्रमुख लोग भाग ले रहे हैं। वे Indian Council of Small Industries का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं—एक ऐसी संस्था जो देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (MSMEs) की रीढ़ है। इस प्रतिनिधिमंडल में CII, FICCI, ASSOCHAM, SCOPE, PHD चैंबर ऑफ कॉमर्स जैसे शीर्ष उद्योग संगठन भी शामिल हैं।

यह प्रतिष्ठित सम्मेलन 2 जून से 13 जून 2025 तक जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड में आयोजित हो रहा है, जहां ILO के 187 सदस्य देशों के प्रतिनिधि सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित कार्यस्थल और समावेशी विकास जैसे गंभीर विषयों पर विमर्श कर रहे हैं। भारत सरकार की ओर से वंदना गुरनानी, सचिव, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं, जबकि माननीय मंत्री मनसुख मांडविया ने सम्मेलन में भाग लेकर भारत की सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। इस सम्मेलन में NFITU के राष्ट्रीय महासचिव और LNCT विश्वविद्यालय के डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. विराट जायसवाल ने श्रमिक संगठनों की ओर से भाग लेकर असंगठित श्रमिक वर्ग की वैश्विक आवाज को धार दी।

डॉ. अनुपम चौकसे को ILO की Informal Economy Committee में नामित किया गया है, जो विकासशील देशों के असंगठित श्रमिकों के अधिकारों, सुरक्षा और कार्यस्थितियों पर केंद्रित है। यह भारत जैसे देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण और प्रभावशाली मंच है। इस अवसर पर स्विट्ज़रलैंड में भारत के राजदूत श्री अरिंदम बागची ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में एक विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया। इस सम्मान समारोह में सभी भारतीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डॉ. अनुपम चौकसे ने कहा, 'इस वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों है। अनौपचारिक अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना और वैश्विक श्रम मानकों में भारत की भूमिका को मज़बूती से प्रस्तुत करना आज के समय की आवश्यकता है। लघु उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों का सहयोग समावेशी विकास की कुंजी है।

ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज ने पूरे किए 5 करोड़ वृक्षारोपण

वृक्षारोपण : 2028 तक 10 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य

संवाददाता ● भोपाल

लक्ष्य

भारत के अग्रणी इंटीरियर इंफ्रास्ट्रक्चर ब्रांड्स में से एक, ग्रीनप्लाई पर्यावरण से कम से कम लेने और अधिक से अधिक लौटाने के सिद्धांतों पर विश्वास करता है। कंपनी का मानना है कि सतत व्यवसायिक सफलता, पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी और समावेशी विकास के साथ गहराई से जुड़ी होनी चाहिए, जिससे न केवल कंपनी बल्कि उससे जुड़ी समुदायों और पारिस्थितिकी तंत्र को भी लाभ मिले। यही सोच ग्रीनप्लाई की प्रमुख पहल 'ग्रीन विज़न' में झलकती है। इस वृक्षारोपण अभियान के तहत अब तक भारतभर में 5 करोड़ से अधिक पेड़ लगाए जा चुके हैं, जो कंपनी की हरित भारत की दिशा में प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अब ग्रीनप्लाई ने 2028 तक 10 करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्य तय किया है।

ग्रीन विज़न को आगे बढ़ाते हुए, ग्रीन राइज़ पहल के अंतर्गत कंपनी ने प्रभावशाली व्यक्तियों (इन्फ्लुएंसर्स) को वृक्षारोपण में भागीदारी के लिए जोड़ा है। आर्किटेक्ट्स के नाम पर पौधे लगाकर यह अभियान सामाजिक प्रभाव भी उत्पन्न करता है, जिसका लाभ नागालैंड के तिज़ित जैसे क्षेत्रों में सामुदायिक कल्याण कार्यक्रमों को मिलता है।

सार्वजनिक भागीदारी बढ़ाने के लिए, ग्रीनप्लाई ने ट्रेड पार्टनर्स और इन्फ्लुएंसर्स को बीज किट्स वितरित की हैं। साथ ही, कंपनी ने एक इंटरऐक्टिव ऑनलाइन टूल (https://www.greenply.com/greenvision/) लॉन्च किया है, जिससे लोग अपनी पर्यावरणीय छाप (ecological footprint) जान सकते हैं और यह समझ सकते हैं कि अपनी जीवनशैली की भरपाई के लिए उन्हें सालाना कितने पेड़ लगाने चाहिए। एक बड़ी और अनोखी पहल के रूप में, ग्रीनप्लाई ने 'एक प्लाईशिट बिके, एक पेड़ लगे' का वादा किया है। हर प्लाईशिट की बिक्री पर एक पौधा लगाया जाता है, जिससे ग्राहक सीधे इस हरित मिशन का हिस्सा बन सकते हैं।

'ग्रीनप्लाई में हम मानते हैं कि व्यापारिक सफलता और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी साथ-साथ चलनी चाहिए। ग्रीन विज़न इसी सोच का प्रतीक है — न केवल लाखों पेड़ लगाना, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक टिकाऊ भविष्य तैयार करना। 5 करोड़ वृक्षारोपण का पड़ाव हमारे लिए गर्व का क्षण है और अब हमारा लक्ष्य 2028 तक 10 करोड़ पेड़ लगाना है। हमारे पार्टनर्स, ग्राहकों और समुदायों के साथ मिलकर हम एक हरित कल का निर्माण कर रहे हैं।" निर्माण प्रक्रिया में भी ग्रीनप्लाई पर्यावरण के प्रति उतनी ही प्रतिबद्धता रखता है। वडोदरा, कृपारामपुरा, राजकोट और संडीला में स्थित संयंत्रों में स्वच्छ उत्पादन तकनीक अपनाई जा रही है। वडोदरा प्लांट अपनी 50% से अधिक ऊर्जा जरूरतें नवीकरणीय स्रोतों से पूरी करता है और कोयला-रहित बॉयलर चलाता है। वहीं संडीला प्लांट में इलेक्ट्रिक फोर्कलिफ्ट और ईवी-चार्ज गाड़ियों का उपयोग कर उत्सर्जन में कमी लाई जा रही है

MIT-WPU ने एडवांस्ड लिथियम-आयन और सोडियम-आयन टेक्नोलॉजी पर आधारित

भारत के पहले प्राइवेट यूनिवर्सिटी बैटरी रिसर्च सेंटर का शुभारंभ किया

एजेंसी ● नई दिल्ली

शुभारंभ

MIT-वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (MIT-WPU) ने सस्टेनेबल एनर्जी सॉल्यूशंस को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, अत्याधुनिक सुविधाओं वाली बैटरी फैब्रिकेशन एवं रिसर्च फैसिलिटी लॉन्च की है, जो लिथियम-आयन (Li-ion) और सोडियम-आयन (Na-ion) टेक्नोलॉजी पर आधारित है। किसी प्राइवेट स्टेट यूनिवर्सिटी की ओर से पहली बार इस तरह की पहल की गई है, जो आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसे राष्ट्रीय मिशनों के साथ जुड़ी हुई है। इसका उद्देश्य भारत को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में अपना योगदान देना है।

इस फैसिलिटी को बैटरी को शुरू से अंत तक पूरी तरह विकसित करने के लिए बनाया गया है, जिसमें एक्टिव मटेरियल सिंथेसिस से लेकर कॉइन सेल फेब्रिकेशन और इलेक्ट्रोकेमिकल परफॉर्मेंस के मूल्यांकन तक की सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। MIT-WPU रिसर्च टीम बैटरी परफॉर्मेंस के सभी मानकों को बेहतर बनाने के लिए, एडवांस्ड इलेक्ट्रोड मैटेरियल्स विकसित करने में जुटी है, जिसमें एनर्जी डेंसिटी, साइकिलिंग स्टेबिलिटी एवं ऑपरेशनल सेफ्टी शामिल है। इसके साथ ही, नेक्स्ट जेनरेशन सॉलिड स्टेट इलेक्ट्रोलाइट्स (SSEs) विकसित करने की दिशा में भी कोशिश जारी है, जिनमें अधिक आयनिक कंडक्टिविटी और थर्मल स्टेबिलिटी वाले मैटेरियल्स पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। ये SSEs पारंपरिक लिक्विड इलेक्ट्रोलाइट्स की तुलना में ज्यादा सुरक्षित और अधिक कुशल विकल्प देते हैं, जो एनर्जी स्टोरेज टेक्नोलॉजी में एक बड़ी प्रगति को दर्शाता है। ग्लास-पॉलीमर कंपोजिट इलेक्ट्रोलाइट्स के इस्तेमाल और पेपर-आधारित बैटरियों के विकास जैसे नए-नए तरीकों का भी पता लगाया जा रहा है। इसके अलावा, इस फैसिलिटी में लिथियम-आयन बैटरियों के लिए अधिक शुद्धता वाले सॉल्वैंट्स तथा इलेक्ट्रोलाइट्स के सिंथेसिस पर काम शुरू किया गया है, जो भारत में बैटरी बनाने वाली कंपनियों को अव्वल दर्जे की गुणवत्ता वाला कच्चा माल उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस फैसिलिटी इसमें नए-नए टूल्स और इंस्ट्रूमेंटेशन मौजूद है। यह फैसिलिटी अकादमिक अनुसंधान और उद्योग व शोध संस्थानों के साथ मिलकर किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स में भी सहायक है, जिससे अत्याधुनिक विचारों को बड़े पैमाने पर लागू किए जाने वाले और उपयोगी समाधानों में बदलने में मदद मिलती है। जल्द ही, इस फैसिलिटी में सिलैंडरिकल तथा प्रिजमेटिक सेल्स के निर्माण की सुविधा भी उपलब्ध होगी, जिससे बैटरी के कई दूसरे तरह के उपयोगों के लिए इसकी क्षमताएं बढ़ेंगी।

MIT-WPU में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस इन मैटेरियल्स साइंस के निदेशक तथा C-MET, MeitY, भारत सरकार, MIT-WPU के पूर्व-निदेशक, प्रोफेसर डॉ. भरत काले, ने कहा: "अत्याधुनिक सुविधाओं वाली इस बैटरी फेब्रिकेशन एवं रिसर्च फैसिलिटी का शुभारंभ, MIT-WPU के लिए सस्टेनेबल एनर्जी टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। भारत में पहली बार किसी प्राइवेट स्टेट यूनिवर्सिटी की ओर से इस तरह की पहल की गई है, जो आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसे राष्ट्रीय मिशनों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य बिजली के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। हमारे पास मटेरियल सिंथेसिस से लेकर सेल फेब्रिकेशन तथा इलेक्ट्रोकेमिकल मूल्यांकन तक की पूरी क्षमता उपलब्ध है।

ऑपरेशन हनीमून | कोर्ट में पेश होंगे सभी आरोपी, मेघालय पुलिस मांगेगी रिमांड

सोनम ने होटल में छोड़ा था मंगलसूत्र, हत्या से पहले आकाश को पहनाई थी अपनी जैकेट

संवाददाता ● शिलॉन्ग\इंदौर

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या की आरोपी सोनम उर्फ बिट्टी (24) को लेकर कल देर रात पुलिस शिलॉन्ग पहुंच गई है। आज सुबह उसके चार साथियों भी पुलिस हिरासत में शिलॉन्ग पहुंचे। इसके बाद सभी आरोपियों का मेडिकल टेस्ट कराया जाएगा इसके बाद स्थानीय कोर्ट में पेश किया जाएगा। शिलॉन्ग पुलिस कोर्ट में इनकी रिमांड मांगेंगी। इसके बाद आरोपियों से पूछताछ की जाएगी। पुलिस आरोपियों का आमना-सामना करा सकती है। सूत्रों ने सीन रीक्रिएशन कराने की बात भी कही है। फिलहाल, सोनम को शिलॉन्ग के सदर थाने में रखा गया है, जहां सीआरपीएफ के जवान तैनात हैं। थाना कैंपस के भीतर भी किसी को जाने की अनुमति नहीं है। सोनम को देखने स्थानीय लोग थाने के जमा हो गए और राज्य की छवि खराब करने का भी केस दर्ज करने की मांग करने लगे।

रात 1.30 बजे कराया सोनम का मेडिकल चेकअप

मेघालय पुलिस कल रात 12 बजे सोनम को लेकर गुवाहाटी एयरपोर्ट पहुंची थी। यहां से रात 12.45 बजे टीम सदर थाना पहुंची। रात 1.30 बजे पुलिस सोनम का मेडिकल चेकअप कराने गणेश अस्पताल गई। जहां रात 2.45 तक सोनम का मेडिकल चेकअप हुआ। इसके बाद देर रात 3.45 बजे पुलिस सोनम को लेकर सदर थाना लौटी। मेघालय पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस केस में एक और अहम सुराग सोनम का मंगलसूत्र था, जो शिलॉन्ग के होटल में मिला। ऐसा करना पुलिस को एक नई नवविवाहिता महिला के लिए अजीब लगा। अधिकारी ने कहा, "जब तक हमें (राजा का) शव नहीं मिला, तब तक इसका कोई मतलब नहीं था। उस समय सभी सबूत संकेत दे रहे थे कि सोनम जीवित है। इस बीच, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया और उन लोगों से पूछताछ की, जिनमें होमस्टे और होटल के कर्मचारी भी शामिल थे, जहां कपल रुके थे। जांचकर्ताओं ने सबूतों को एक साथ जोड़ना शुरू कर दिया और साथ ही सोनम और राजा दोनों के फोन से कॉल डेटा रिकॉर्ड का विश्लेषण भी किया। कॉल डेटा रिकॉर्ड से, जांचकर्ताओं ने संदिग्धों पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया। एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह पाया गया कि सोनम एक स्पेशल नंबर के साथ लगातार संपर्क में थी। यह पाया गया कि यह व्यक्ति, राज कुशवाह, उसका प्रेमी है और वह आरोपी के परिवार को भी जानता था. वे इसे एक बाहरी नौकरी या एक ब्लाइंड मर्डर के मामले के रूप में पेश करना चाहते थे।

मेघालय की छवि खराब करने वालों पर भी होगा केस दर्ज

राजा रघुवंशी हत्या मामले में मेघालय पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में सोनम, राज और उसके साथियों पर FIR तो दर्ज ही की गई है। इसके अलावा मेघालय पुलिस ने मंगलवार को कहा कि राज्य के निवासियों के खिलाफ कथित रुप से झूठा प्रचार करने वाले लोगों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है।ईस्ट खासी हिल्स के पुलिस अधीक्षक विवेक सिम ने कहा, "कुछ लोग हैं जिन्होंने यहां के स्थानीय लोगों के खिलाफ सांप्रदायिक बयान दिए हैं। हमने इसे संज्ञान में लिया है क्योंकि यहां के लोग बाहर पढ़ रहे हैं और कुछ ने कहा है कि हमें बाहर रह रहे स्थानीय समुदाय को नुकसान पहुंचाना चाहिए। हमने इस व्यक्ति के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। ऐसे लोगों के खिलाफ एक और एफआईआर भी दर्ज की गई है।

आज होगा पूरे हत्याकांड की सीन रिक्रिएशन

आकाश के जैकेट पर राजा के खून के छींटे उड़े तो फेंका...

राजा की लाश मिलने के बाद सोनम को ढूंढने के लिए चले सर्च ऑपरेशन के दौरान खून से सनी एक जैकेट मिली थी। इस जैकेट को सोनम की बताया जा रहा था। इस जैकेट के मिलने के बाद ये आशंका जताई जा रही थी कि सोनम के साथ भी कुछ अनहोनी हुई होगी, लेकिन शिलॉन्ग पुलिस ने खुलासा किया है कि वो जैकेट सोनम की नहीं, बल्कि आरोपी आकाश की थी। आखिर आकाश ने जैकेट वहां क्यों फेंकी? जैकेट पर खून के धब्बे किसके थे। मेघालय पुलिस ने इन सब बातों का पता लगा लिया है। मेघालय पुलिस के मुताबिक 23 मई को हत्या की प्लानिंग के तहत सुनसान जगह मिलते ही विशाल चौहान ने सोनम के सामने ही राजा रघुवंशी के सिर पर एक के बाद एक दो वार किए थे। इसके लिए वो अपने साथ दाव (छोटी कुल्हाड़ी) छिपाकर लाया था। जैसे ही उसे पीछे चल रही सोनम से इशारा मिला उसने राजा के सिर के पिछले हिस्से में ताबड़तोड़ दो वार किए। इस दौरान राजा के सिर से खून की तेज धार निकली। आकाश का जैकेट खून से रंग गया। इसके बाद तीनों ने वहीं पास ही राजा की लाश गहरी खाई से नीचे फेंक दी। खून से सनी जैकेट को आकाश ने थोड़ी दूर चलने के बाद फेंक दिया। शिलॉन्ग पुलिस के जिन अधिकारियों ने आकाश से पूछताछ की है, उन्होंने बताया कि इसके बाद खुद सोनम ने अपनी जैकेट आकाश को पहनाई।

जितेंद्र रघुवंशी का नाम भी सामने आया, चार बैंक खातों में लाखों का ट्रांजेक्शन

राजा हत्याकांड में अब एक नया नाम सामने आया है, वो है देवास के जितेंद्र रघुवंशी का। सूत्र बताते हैं कि सोनम रघुवंशी का प्रेमी राज कुशवाह हवाला का काम भी करता था। उसके द्वारा चार बैंक अकाउंट में लाखों रुपए का ट्रांजेक्शन मिला है। यह चारों अकाउंट जितेंद्र रघुवंशी के नाम पर है। पुलिस अब जितेंद्र रघुवंशी को तलाश रही है। राज कुशवाह ही सोनम रघुवंशी के बिजनेस से संबंधित हर काम देखता था। वो ही रुपयों का लेन-देन भी करता था। इसी को लेकर सोनम और राज के बीच लगातार बात होती रहती थी। आशंका है कि इसी में से 50 हजार रुपए राज कुशवाह ने अपने साथियों को दिए थे, जिसके बाद वो ट्रेन से शिलांग पहुंचे थे। इसमें सोनम के द्वारा रुपए दिलाने की भी आशंका जताई जा रही है।

अब जितेंद्र रघुवंशी से पूछताछ पर होगा खुलासा

पुलिस ने जितेंद्र रघुवंशी की तलाश शुरु कर दी है। देवास में पुलिस जल्द ही उसे ढूंढकर पूछताछ कर सकती है। वह यह बता सकता है कि उसका राज कुशवाह और सोनम के साथ क्या रिश्ता है। आशंका है कि सोनम ने ही राज कुशवाह के जरिए लाखों रुपये हवाला के जरिए कही और भिजवाए हो।

राजा रघुवंशी के परिवार का दावा, सोनम का भाई बोला-

'मैं बयान दूंगा, इसको फांसी होनी चाहिए...'

राजा रघुवंशी के भाई विपिन ने दावा किया कि सोनम की मां को उसकी साजिश की पूरी जानकारी थी, लेकिन उसने इसे छुपाया। राज के भाई विपिन के मुताबिक, सोनम ने अपनी मां से पहले ही कह दिया था, "जिससे तुम मेरी शादी कराओगे, उसका अंजाम बहुत बुरा होगा।' विपिन ने आरोप लगाया कि सोनम की मां को उसकी प्रेम कहानी और साजिश की पूरी जानकारी थी, लेकिन उसने यह बात राजा के परिवार से छिपाई। अब सोनम की मां नाटक कर रही है, बार-बार बेहोश होने का ड्रामा कर रही है। उसे सब पता था।"

सोनम का भाई बोला- सोनम दोषी, उसे सजा मिले

विपिन ने बताया कि सोनम के भाई गोविंद से उनकी बात हुई, जिसमें गोविंद ने कहा, "सोनम गुनहगार है। सबूत मिल रहे हैं। मैं प्रेस मीटिंग बुलाऊंगा और कहूंगा कि उसे फांसी होनी चाहिए।" गोविंद ने रघुवंशी समाज की पंचायत बुलाने की भी बात कही, ताकि इस मामले को सामाजिक स्तर पर उठाया जाए। विपिन ने कहा, "गोविंद को भी नहीं पता था कि उसकी बहन ऐसी साजिश रच रही है। अगर पता होता, तो वह पहले ही बता देता।' राजा रघुवंशी के परिजनों में अब सोनम को लेकर लगातार गुस्सा बढ़ता जा रहा है।

बोलती थी- विधवा हो जाऊंगी, तब तो मान ही जाएंगे परिवार वाले

सोनम और राज के बीच पांच महीने से प्रेम प्रसंग चल रहा था। राज ने कबूल किया कि सोनम से अफेयर 4 से 5 माह का था। पिता के हार्ट पेशेंट होने से सोनम लव मैरिज नहीं कर पा रही थी। पिता समाज में शादी करना चाहते थे इसलिए उसने राजा से शादी को हां कर ली थी। उसने पहले ही तय कर लिया था कि शादी के बाद राजा को मारकर राज के साथ रहने लगेगी। सोनम ने राज से कहा था कि जब मैं विधवा हो जाऊंगी, फिर तुम मुझसे शादी कर लेना। तब मेरे परिवार वाले भी हमारी शादी के लिए मान जाएंगे। इसके बाद राजा और सोनम की 11 मई को शादी हुई। दोनों के परिवार बहुत खुश थे। सोनम भी परिवार में घुल मिल गई और कभी अपनी साजिश का शक नहीं होने दिया। 16 मई को सुपर कॉरिडोर के कैफे में राजा की हत्या की साजिश रची गई। प्रेमी राज ने दोस्त विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी को साथ में लिया। हत्या के पहले राज ने आरोपियों को 50 हजार, एक कीपैड, एक एंड्रॉइड मोबाइल और नई सिम दिलाई। ये सब चीजें आरोपियों ने सोनम को दे दी। इसी नंबर और फोन से सोनम शिलांग जाने के बाद तीनों के संपर्क में रही थी।

आशिक राज ने पुलिस को ये बताया

सोनम ने राजा के वॉलेट से ही किया पेमेंट

मेघालय पुलिस के एक अधिकारी बताते हैं कि आरोपियों का दावा है कि सोनम ने घटनास्थल पर पहुंचने के साथ ही थकने का नाटक किया था। कथित तौर पर उसने सूनी जगह पर हत्यारों को राजा के पीछे खड़ा किया और कथित तौर पर हत्या करने के लिए इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में पुलिस जुटी हुई है। इसी बीच खबर है कि वारदात में आरोपी सोनम रघुवंशी ने हत्यारों को 20 लाख रुपये देने का वादा किया था। फिलहाल, इस मामले की जांच जारी है। सोनम और उसके कथित प्रेमी राज कुशवाह समेत सभी आरोपियों को मेघालय के शिलॉन्ग ले जाया गया है। उन्हें बुधवार को कोर्ट में पेश किया जा सकता है। मेघालय पुलिस के एक अधिकारी ने बताया है कि सोनम ने हत्या के बाद हत्यारों को 20 लाख रुपये दिए थे। उन्होंने यह भी बताया है कि शुरुआती में सोनम ने अरोपियों को 15 हजार रुपये का नकद भुगतान किया था, जो उसने पति राजा के वॉलेट से निकाला था। यह रुपये उसने अपराध के समय ही निकाले थे। राजा की लाश एक खाई में 2 जून को मिली थी। इंदौर के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'राज कुशवाह का दावा है कि वह सोनम की मदद नहीं करना चाहता था और आखिर में मेघालय जाने का प्लान रद्द कर दिया था। उसने कथित तौर पर तीन अन्य लोगों को भी जाने से मना कर दिया था।

'सात जन्मों का साथ है' लिखकर किया पोस्ट, यहीं हुआ शक

शिलांग में दो जून को राजा रघुवंशी का शव मिलते ही पुलिस अफसरों ने हर एंगल से जांच शुरू कर दी थी। इसके बाद शिलांग एसपी विवेक सिएम ने पूरे मामले की जांच और खुलासे के लिए 25 अफसरों की टीम बनाई। उनकी इस कार्यवाही को 'ऑपरेशन हनीमून' नाम दिया गया। इसी ने राजा की हत्या के 18 वें दिन 9 जून को राजा की पत्नी सोनम समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा कर दिया। सोनम के प्लान का एक हिस्सा यह भी था कि उसने मेघालय में घूमने की कोई भी फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं की। पुलिस के मुताबिक हत्या के बाद सोनम ने दोपहर 2 बजे राजा के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट लिखी- 'सात जन्मों का साथ है'। कोई अपनी मौत के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट कैसे लिख सकता है। सोनम के तीन युवकों के साथ नजर आने की जानकारी भी शिलांग पुलिस को मिल गई थी।

अधिकारी बोले-ये एक साजिश थी

इस मामले में मेघालय के एसआईटी चीफ हरबर्त पिनयाय्द खरकोन्गोर ने कहा कि हमारी टीम अपने-अपने एरिया में सबूत इकट्ठा किए हैं। सारे सबूतों को इकट्ठा करने पर पता चला कि ये एक साजिश थी। सोनम इसकी मुख्य किरदार है। वहीं मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स के एसपी विवेक स्येम ने कहा है कि हमें यकीन हो गया कि इसमें सोनम का हाथ है, तभी हमने अपनी दो टीमों को एमपी और यूपी रवाना किया। हमने जो सबूत इकट्ठा किए हैं उसके आधार पर हम सोनम से पूछताछ करेंगे। राजा की हत्या के बाद वह कहां-कहां गई यह पूछताछ के बाद ही पता चलेगा।

घटनास्थल से 10 किलोमीटर दूर एक सीसीटीवी कैमरे में सोनम के साथ तीन आरोपी नजर आए थे। पुलिस को तभी पता चल गया था कि सोनम के साथ तीन युवक इस हत्याकांड में शामिल हैं। उसके बाद ही उनके खिलाफ सबूत जुटाने के लिए शिलांग पुलिस के अफसरों की टीम जुट गई थी। हत्या के उपयोग में लाए सबूतों की खोज खाई में करने के लिए टीम जाती थी, लेकिन सोनम के भाई को लगता था कि शिलांग पुलिस गंभीरता नहीं दिखा रही है, जबकि पुलिस अफसर सोनम और अन्य आरोपियों को पकड़ना चाहते थे। मप्र से मामले की सीबीआई जांच की मांग का दबाव बढ़ने लगा था, लेकिन मेघालय सरकार ने इस मामले में जल्दबाजी नहीं दिखाई। पुलिस अफसर चाहते थे कि 'ऑपरेशन हनीमून' सफल हो और आरोपी उनकी गिरफ्त में आ जाएं, उसके बाद ही इस हत्याकांड का खुलासा किया जाए।

पटना, कोलकाता, गुवाहाटी होते हुए शिलांग ले गई पुलिस

सोनम रघुवंशी को पुलिस ने पटना के फुलवारी शरीफ थाने में रखा था। इसके बाद पटना एयरपोर्ट से इंडिगो की फ्लाइट (6E775) से सोनम को लेकर रवाना हो गई। पुलिस टीम पहले कोलकाता पहुंचेगी फिर गुवाहाटी होते हुए शिलॉन्ग जाएगी। सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया था। वहां से उसे पटना लाया गया। कड़ी सुरक्षा के बीच सोनम को थाना परिसर स्थित अनुसंधान कक्ष में रखा गया है। यहां वह चुपचाप कुर्सी पर बैठकर टेबल पर सिर रखकर सोती दिखी। वह करीब 6 घंटे पटना के थाने में रही। मेघालय पुलिस सुबह 6:15 बजे उसे लेकर पहुंची थी। फुलवारी शरीफ थाने से सुबह 11.35 बजे उसे लेकर पुलिस निकली। थाने में रहने के दौरान सोनम को चाय और बिस्कुट दिया गया था, लेकिन उसने नहीं खाया। वो टेबल पर सिर रखकर रोती नजर आई।इसके बाद सोनम को लेकर मेघालय पुलिस पटना एयरपोर्ट पहुंची। सोनम को शाम 4 बजे इंडिगो की फ्लाइट से कोलकाता ले जाया गया, वहां से गुवाहाटी होते हुए पुलिस शिलॉन्ग ले जाएगी। फ्लाइट में सोनम के अलावा 4 और लोगों की टिकट बुक है। मेघालय के मावलखियात में स्थानीय गाइड अल्बर्ट पीडी ने राजा-सोनम के साथ आए संदिग्धों में से एक की पहचान कर ली है। मंगलवार को पुलिस ने उन्हें कुछ तस्वीरें दिखाई थी। बता दें कि अल्बर्ट ने ही राजा-सोनम के लापता होने के दिन तीन और लोगों की मौजूदगी का दावा किया था। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि अपराधी आखिरकार सलाखों के पीछे हैं। हम निर्दोष साबित हुए हैं। जिन लोगों ने सोहरा और उसके लोगों की हिंसक छवि को खराब करने की कोशिश की थी, वे अब बेनकाब हो गए हैं।

हत्या के बाद आई थी इंदौर

शिलांग पुलिस को हत्याकांड में सोनम के शामिल होने के संकेत मिले थे। उनकी इस कार्यवाही को 'ऑपरेशन हनीमून' नाम दिया गया। इसी ने राजा की हत्या के 18 वें दिन 9 जून को राजा की पत्नी सोनम समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा कर दिया। जांच में यह भी पता चला है कि राजा की हत्या करने के बाद सोनम 25 मई को इंदौर आई थी और टिगरिया बादशाह क्षेत्र के नंदबाग में एक किराए के घर में प्रेमी राज कुशवाह के साथ रुकी थी। शिलांग पुलिस के पास यह तथ्य भी आया है कि सोनम हत्या के बाद सिलीगुड़ी के रास्ते इंदौर आई थी और अपने प्रेमी राज के साथ किराए के एक कमरे में रुकी थी। फिर वहां से वह वाराणसी होते हुए गाजीपुर पहुंची। शिलांग पुलिस अब सोनम के शिलांग पहुंचने के बाद इस तथ्य की जांच करेगी कि वह वाकई इंदौर गई थी, या बीच में रुक गई थी।

पूरे अपराध से अनजान तीन माताओं का रो-रोकर बुरा हाल

राजा की हत्या और सोनम के आरोपी साबित होने के बाद अब तीन मांओं के आंसू नहीं थम रहे हैं। राजा रघुवंशी की मौत से दुखी मां जहां गुमसुम हो गई, वहीं सोनम की मां को यकीन नहीं हो रहा कि उनकी बेटी ऐसा जघन्य अपराध कर सकती है वहीं राज कुशवाह की मां सभी से हाथ जोड़कर अपने बेटे को बचाने की विनती कर रही है। वह इस बात को मानने से इनकार कर रही है कि जिस बेटे पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी है वह इस तरह के हत्याकांड को अंजाम दे सकता है। राजा, सोनम और राज तीनों की मांओं का रो-रोकर बुरा हाल है।

बेटी को फंसाया: सोनम की मां

राजा रघुवंशी हत्याकांड को लेकर मेघालय पुलिस के खुलासे के बाद सोनम का परिवार सदमे में है। सोनम की मां संगीता ने कहा, "मेरी बेटी पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। मैं अभी नहीं कह सकती कि राजा रघुवंशी के साथ मेघालय में क्या हुआ होगा?" उन्होंने मांग की कि उनके दामाद के हत्याकांड की विस्तृत जांच होनी चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि मेघालय में हनीमून मनाने गए राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम 23 मई को लापता हो गए थे। उन्होंने बताया कि राजा रघुवंशी का शव दो जून को पूर्वी खासी हिल्स जिले के सोहरा क्षेत्र (जिसे चेरापूंजी भी कहा जाता है) में एक झरने के पास गहरी खाई में मिला था।

राजा की मां बोली- 'मेरे बेटे की जान क्यों ली?'

राजा की मां उमा ने कहा, "शुरुआत में हमें यकीन नहीं हो रहा था कि मेरी बहू सोनम मेरे बेटे राजा की हत्या करा सकती है, लेकिन हमें इस बात पर धीरे-धीरे यकीन होता जा रहा है।" राजा रघुवंशी की हार चढ़ी तस्वीर के पास खड़ी उनकी मां गम और गुस्से के मिले-जुले जज्बात से गुजरते हुए पूछती हैं, "अगर सोनम को दूसरा लड़का पसंद था, तो उसने राजा से शादी से मना क्यों नहीं किया? उसने मेरे बेटे की जान क्यों ली?" उन्होंने बताया कि मेघालय में पति के साथ हनीमून मनाने जाने की योजना खुद सोनम ने बनाई थी। उमा ने कहा, "मुझे पता नहीं था कि मेघालय से मेरा बेटा पार्थिव शरीर के तौर पर लौटेगा। मेघालय पुलिस के खुलासे से पहले सोनम के कथित प्रेमी राज कुशवाहा के बारे में उनके परिवार को कोई जानकारी नहीं थी।"

'हे ईश्वर, मेरे बेटे को बचा लो': राज की मां

अपने बेटे की खैरियत और परिवार के भविष्य की चिंताओं से जूझते हुए चुन्नी देवी बार-बार बदहवास हो जाती है। वह एक कमरे के किराये के घर में दीवारों पर चिपकी देवी-देवताओं की तस्वीरों के सामने दोनों हाथ जोड़ती हैं और बिलखते हुए प्रार्थना करती हैं, "हे ईश्वर, मेरे बेटे को बचा लो। वो बार-बार एक ही बात कह रही हैं कि मेरा बेटा निर्दोष है। उसे फंसाया गया है। 20 साल का लड़का इतना बड़ा अपराध कैसे कर सकता है? मेरे पति के निधन के बाद वह हमारे घर का इकलौता कमाने वाला है। वहीं उनकी छोटी बेटी सुहानी उन्हें संभालने के दौरान उन्हें पानी पिलाने की कोशिश करती है, लेकिन वह पानी पीने से इनकार कर देती हैं। राज कुशवाहा के परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है और परिवार में उसकी मां और तीन बहनें हैं। उसका परिवार मूलत: उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। यह परिवार इंदौर में किराये के छोटे-से घर में रहता है। चुन्नी देवी ने कल कहा, "मेरा बेटा बेकसूर है। उसे फंसाया गया है।

माइक्रो लर्निंग एप्स उपयोगी हैं, किन्तु ज्ञान का विकल्प नहीं

इस हफ्ते मैं ट्रेन से, मध्यप्रदेश के बीना में बीपीसीएल फैक्ट्री विजिट पर गया था। मेरे सामने वाली सीट पर एक पेशेवर युवा बैठा था, पहले कुछ घंटे वह कुछ ज्यादा नहीं बोला। उसने मुस्कराकर अभिवादन किया और मैंने भी वैसे ही जवाब दिया। वह ह्यडूम स्क्रॉलिंगह्ल में व्यस्त था, जिसका मतलब वह अपने फोन पर अंतहीन ऑनलाइन कंटेंट स्क्रॉल किए जा रहा था।

मैंने भी अपने ज्ञान को ताजा करने के लिए एक पुरानी किताब फिर से पढ़नी शुरू की। पुरानी किताब- सर जॉन विटमोर की कोचिंग फॉर परफॉर्मेंस- का जाहिराना तौर पर रंग फीका पड़ गया था। अचानक उसने मेरी ओर देखा और कहा ह्यसर, क्या यह वही ह्यग्रो मॉडलह्ल है, जो कोचिंग के लिए महत्वपूर्ण टूल जैसा है और बातचीत एवं विकास को आसान बनाने के लिए एक स्ट्रक्चर्ड अप्रोच मुहैया कराता है? मैंने किताब बंद की और अचम्भे से उसकी ओर देखा। मैंने खुद से कहा ह्यवाह, इतनी छोटी उम्र में इसने बहुत पढ़ा है। इस विचार के चलते मेरी उस युवा में उत्सुकता जागी और मैंने कहा, ह्यआपने कब ये पुस्तक पढ़ी? दरअसल, मैंने इस पुस्तक को दो दशक पहले खरीदा था।ह्ल उसने तपाक से कहा ह्यआप इस पुस्तक का चौथा संस्करण पढ़ रहे हो। मैंने इसके छठे संस्करण के कुछ चुनिंदा समरी प्वाइंट पढ़े हैं।ह्ल और उसने अपने मोबाइल में दिखाते हुए पुस्तक के छठे संस्करण में जोड़े नए कॉन्सेप्ट को दोहराया। उसने इसी यात्रा में माइक्रो लर्निंग एप पर सर्फिंग करते हुए इस पुस्तक के बारे में जानकारी हासिल की थी।

तब मुझे एहसास हुआ कि उसके जैसे कई लोग खुद में सुधार की लहर पर सवार हैं, एक नया वर्ग उन माइक्रो लर्निंग एप से सीखता है, जो किताब का निवालाभर सारांश देकर 15 मिनट में किसी को स्मार्ट बनाने का दावा करते हैं। मैंने कहा, ह्यनिश्चित ही ये मात्रात्मक तौर पर अधिक जानकारी लेने का बढ़िया तरीका हो, किंतु गुणवत्ता के संदर्भ में नहीं।ह्ल और बिना किसी

मैंने भी अपने ज्ञान को ताजा करने के लिए एक पुरानी किताब फिर से पढ़नी शुरू की। पुरानी किताब- सर जॉन विटमोर की कोचिंग फॉर परफॉर्मेंस- का जाहिराना तौर पर रंग फीका पड़ गया था। अचानक उसने मेरी ओर देखा और कहा ह्यसर, क्या यह वही ह्यग्रो मॉडलह्ल है, जो कोचिंग के लिए महत्वपूर्ण टूल जैसा है और बातचीत एवं विकास को आसान बनाने के लिए एक स्ट्रक्चर्ड अप्रोच मुहैया कराता है? मैंने किताब बंद की और अचम्भे से उसकी ओर देखा।

बहस के उसने भी इस पर सहमति दी। उसने प्रतिउत्तर में कहा, ह्यआपकी पीढ़ी को छोड़कर कोई भी गहरे ज्ञान में रुचि नहीं रखता और ये माइक्रो लर्निंग एप कम से कम हमें बोर्ड मीटिंग जैसे नाजुक मौकों से पार पाने में मदद करते हैं, जहां किसी को भी ज्ञान का प्रदर्शन करना होता है। ये एप पूरी किताब पढ़ने से पहले उपयोगी प्रीव्यू देते हैं। और वो तर्क में सही था।एमएनसी में काम करने वाले व्यस्त एग्जीक्यूटिव को 260 पन्नों की भारी भरकम किताब क्यों पढ़नी चाहिए, जिसे मैं पढ़ रहा था? वो जो कर रहा था, उसमें स्मार्ट था। धीरे-धीरे हम एक दूसरे के बारे में और जानने लगे। वह किताब के बारे में मेरी बातों को पूरे ध्यान से सुनने लगा। लेकिन जब मैंने उससे पूछा कि ह्यअगर तुम्हें समरी रुचिकर लगती है तो क्या वास्तव में तुम किताब खरीदकर विषय को और गहराई से समझना चाहते हो? यहां पर उसने शमार्ते हुए स्वीकार किया कि ह्यनहीं, मैं ऐसा नहीं करता। यहीं पर मुझे लगा कि माइक्रो लर्निंग एप में कोई बात तो है। जब आपके पास ध्यान देने के लिए महज 3-4 मिनट ही हों, ऐसे में ये आपको अधिक उपलब्धि का अहसास करा सकता है। यदि कंटेंट सही से गढ़ा हो, तो यह एक समय पर दिमाग में बहुत अधिक सूचनाएं आने से पड़ने वाले भार को भी कम कर सकता है। खासकर उस युवा जैसे व्यस्त एग्जीक्यूटिव्स को त्वरित उपलब्धि का अहसास भी कराता है, जो देखकर, सुनकर व तार्किक तरीके से सूचनाओं को ग्रहण करना पसंद करते हैं। एप्लाइड साइकोलॉजी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट विभाग के प्रोफेसर्स कहते हैं कि तात्कालिक उपयोग के लिए माइक्रो लर्निंग एप अच्छे हैं।ये साबित हुआ है कि किसी एक विषय पर एक किताब के सारांश से दूसरे पर कूदने की तुलना में लंबे समय का अध्ययन अधिक समग्रता वाली समझ व ज्ञान विकसित करता है। यह आपको तत्काल बौद्धिक समृद्धता का अहसास कराता है। लेकिन इन प्रोफेसरों का कहना है कि ह्यविशेषतः जो लोग लंबे समय तक ढेर सारे एप का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें जरूरत के वक्त महत्वपूर्ण सूचना की कमी का अहसास होता है।

संत वचन

अक्सर इन सभी के कारण अपने मंत्रालय के दौरान बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। यही कारण है कि प्रभु ने उन फरीसियों की आलोचना की और उन्हें उनके व्यवहार के लिए फटकार लगाई, जिसे उन्होंने इस प्रकार उजागर किया कि यह उनके पूर्वजों और पूर्वजों द्वारा दिखाए गए व्यवहार से मिलता-जुलता था, जो प्रभु और उनकी सच्चाई पर भरोसा करने के बजाय अपनी इच्छाओं, अपनी समझ और चीजों की व्याख्या के अनुसार चलने की उनकी जिद थी। उनका अभिमान और अहंकार, महत्वाकांक्षाएं और इस दुनिया की इच्छाएं उन्हें गलत रास्ते पर ले गईं और उन्हें प्रभु से और भी दूर कर दिया, क्योंकि उन्होंने प्रभु के लिए अपने दिल और दिमाग के दरवाजे बंद कर दिए थे। यह वह रवैया है जो प्रभु नहीं चाहते कि हममें से कोई भी रखे, ताकि हम यह न सोचें कि हमारे तरीके ... और पद्धतियां बेहतर हैं या हम अपने आस-पास के लोगों की तुलना में किसी तरह बेहतर और श्रेष्ठ हैं।

एआई जिंदगी की कई मुश्किलें हल कर सकता है

कल्पना करें, आप किसी परिचित की तबीयत पूछने अस्पताल गए हैं, जो कि बीती रात से आईसीयू में भर्ती हैं। आप देख पा रहे हैं कि वहां एक बड़ी कांच की दीवार के पार वार्ड में सभी मरीज लेटे हैं और एक नर्स इधर-उधर घूम रही है। आपके मन में सवाल आता है कि एक नर्स इतने मरीजों की देखभाल कैसे कर सकती है? लेकिन आप थोड़ा गलत हैं। वह नर्स सिर्फ मरीजों से आई-कॉन्टैक्ट बनाए रखने के लिए घूम रही है। असल में, वहां हर मरीज की निगरानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए रियल टाइम में हो रही है। हर बेड एक कॉन्टैक्टलेस और निरंतर निगरानी प्रणाली से जुड़ा हुआ है।

सिर्फ वही नहीं, यह वार्ड भी एआई-पावर्ड रिमोट-स्क्रीनिंग सिस्टम से जुड़ा है, जिसे अर्ली वार्निंग सिस्टम (ईडब्ल्यूएस) कहते हैं। यह ईडब्ल्यूएस नर्सों (स्वास्थ्यकर्मी) को मरीजों के महत्वपूर्ण पैरामीटर जैसे हृदय गति, श्वसन दर, रक्तचाप, रढड2 स्तर, तापमान व एउत्र्ककोे दूर से मॉनिटर करने की सुविधा देता है। ये प्रणाली 24 घंटे इन पैरामीटर्स पर नजर रखती है, ट्रेंड ट्रैक करती है और मॉनिटरिंग रूम में स्वास्थ्यकर्मियों को रियल-टाइम अलर्ट जारी करती है, जिससे वे त्वरित हस्तक्षेप कर सकें। ईडब्ल्यूएस के माध्यम से, ये स्वास्थ्यकर्मी अब एआई-सक्षम प्रणाली से लैस हैं, जो प्रत्येक मरीज की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करती है और क्लिनिकल गिरावट का पता लगाती है, जिससे समय पर हस्तक्षेप और आपात स्थितियों की रोकथाम संभव हो पाती है।

इसके अलावा, उनके पास एआई द्वारा दिए गए अलर्ट पर प्रतिक्रिया देने के लिए एक क्विक रिस्पॉन्स टीम भी है, क्योंकि मरीजों की स्क्रीनिंग एआई के जरिए रियल-टाइम में की जा रही है।ये दृश्य कोलकाता के चार्नोक अस्पताल का है, जहां के इमरजेंसी हेड निशांत अग्रवाल चाहते हैं कि सभी गैर-आईसीयू बेड भी एआई अलर्ट कवरेज में आ जाएं, ताकि मानवीय त्रुटियां पूरी तरह से रोकी जा सकें। वुडलैंड्स हॉस्पिटल सारा काम ह्यहॉस्पिटल इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एचआईएस)ह्ल पर कर रहा है, नारायणा हॉस्पिटल्स में एआई-संचालित केयर पाथवे प्रोग्राम है और कई अस्पताल एआई का प्रयोग मरीजों के पैरामीटर्स ट्रैक करने, ऑनलाइन ओपीडी बुकिंग व भुगतान सुविधा में करते हैं, जिससे काउंटर पर भीड़ खत्म हो सकती है। मणिपाल हॉस्पिटल नेटवर्क अस्पतालों में एचआईएस का प्रयोग कर रहा है।

उन्होंने फुजीफिल्म के साथ एआई-सक्षम पिक्चर आर्काइविंग और कम्युनिकेशन सिस्टम को एकीकृत किया है, ताकि डायग्नोस्टिक दक्षता को बढ़ावा दें सकें। वे दावा करते हैं कि उन्होंने जेमिनी एआई प्लेटफॉर्म पर भारत का पहला एआई-संचालित नर्स हैंडओवर प्रोजेक्ट चलाया है व आईसीयू के लिए एआई-सक्षम स्टेप डाउन सिस्टम भी पेश किया है। एआई इस समय का सबसे अच्छा टूल है जो हमें उन मुद्दों से निपटने में मदद कर सकता है जो हमारे नियंत्रण से बाहर होते जा रहे हैं, चाहे वह हॉस्पिटल्स में मरीजों की बढ़ती संख्या को मैनेज करना हो या कुछ स्थानों पर चोरी आदि को रोकना। अब दक्षिण भारत में अवैध खनन की समस्या लें। पेरूर व कोयंबटूर उत्तर तालुका में अवैध लाल मिट्टी खनन को रोकने के लिए जल्द ही 200 से अधिक एआई-सक्षम सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। तमिलनाडु व केरल सीमा के बीच सभी चेक पोस्ट पर नजर रखने व अवैध रेत तस्करी रोकने के लिए, तमिलनाडु के मुख्य सचिव एन मुरुगनंदम ने ग्रामीण पुलिस से राजस्व विभाग व भूविज्ञान और खनन विभाग की मदद से पेरूर- कोयंबटूर के बीच सभी महत्वपूर्ण जंक्शनों का विस्तृत अध्ययन करने के लिए कहा है। अधिकारी अब इन एआई-सक्षम इकाइयों से निगरानी के लिए ड्रोन सर्वे कर रहे हैं। इस प्रकार सभी प्रमुख जंक्शनों और महत्वपूर्ण रास्तों को एआई-सक्षम सीसीटीवी कैमरों से कवर किया जाएगा, जो कि 24/7 निगरानी करेंगे। फंडा यह है कि हमें किसी भी समस्या को एआई की मदद से हल करने की मानसिकता विकसित करनी होगी, क्योंकि यह हम इंसानों द्वारा विकसित बेस्ट टेक्नोलॉजी टूल में से एक है। एआई की ताकत को कभी कम मत आंकिए।

एडिट.नोट

शिवराजसिंह चौहान - लेखक

देश आने वाले कल की नई कृषि-व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है

कृषि क्षेत्र करोड़ों लोगों को आजीविका देता है। साथ ही, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास का प्रमुख आधार भी है। ऐसे में राष्ट्र की प्रगति के लिए हमारे किसान भाइयों-बहनों की उन्नति आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने कृषि और किसान कल्याण को नीति-निर्माण की सर्वोच्च प्राथमिकता में स्थान दिया है।

किसानों की मेहनत को उचित सम्मान मिले, उनकी फसल को सही दाम मिले और उनका जीवन खुशहाली से भरा हो, इसके लिए केंद्र सरकार संकल्पित है। बीते दशक में केंद्र सरकार ने किसान कल्याण के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं, जिनसे न केवल किसानों की आय बढ़ी, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी सुदृढ़ हुआ है। चाहे न्यूनतम समर्थन मूल्य में अभूतपूर्व वृद्धि हो, फसलों की खरीद में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो या तकनीकी नवाचारों के माध्यम से खेती को आधुनिक बनाने का प्रयास; सरकार ने हर क्षेत्र में किसानों के लिए दिन-रात काम किया है। किसान हितैषी नीतियों, तकनीकी के उपयोग, नवाचार और बाजार तक सुगम पहुंच के माध्यम से भारत टिकाऊ, समावेशी और भविष्य-उन्मुख कृषि-व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है।

पहले के समय में हमारे किसान फसल लागत से नाममात्र का लाभ कमा पाते थे, पर प्रधानमंत्री ने स्पष्ट नीति बनाई कि हर फसल पर उसकी लागत से ऊपर, कम से कम 50% मुनाफा सुनिश्चित होगा। आज खरीफ व रबी की प्रमुख फसलों के एमएसपी में 1.8 से 3.3 गुना तक की वृद्धि की गई है। इससे किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम मिलना सुनिश्चित हुआ है। 2004-14 के मुकाबले 2014-2025 के दौरान एमएसपी पर खरीदी गई फसलों की मात्रा और भुगतान में भी रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। सरकार ने केवल एमएसपी बढ़ाने तक ही खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया है कि यह लाभ सीधे किसानों के खाते में पहुंचे।

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से हमने पारदर्शिता और गति के साथ किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम दिलाया है। यह एक ऐसी कृषि क्रांति है, जो हमारे किसान भाइयों-बहनों का जीवन व खेती की दशा-दिशा बदल रही है। अब किसान निश्चिंत होकर खेती करता है, क्योंकि उसे पता है कि उसकी फसल का उचित मूल्य व समय पर भुगतान सुनिश्चित मिलना है। आज केंद्र सरकार बीज से बाजार तक, हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड से किसानों को अपनी मिट्टी की सेहत जानने और सही फसल चुनने में मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक सुरक्षा दे रही है। ई-नाम के जरिए डिजिटल बाजार से जुड़कर किसानों को बेहतर दाम मिल रहा है। ड्रोन और स्मार्ट सिंचाई तकनीक खेती को आसान और आधुनिक बना रहे हैं। इसके साथ ही, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण और कृषि यंत्रों पर अनुदान के माध्यम से हमने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का हरसंभव प्रयास किया है। सरकार ने किसानों को ब्याज सहायता के तहत किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 3 लाख रुपए तक का अल्पकालिक ऋण 7% ब्याज पर उपलब्ध कराया है। यह समय से चुकाने पर 3% अतिरिक्त छूट मिलती है, जिससे प्रभावी ब्याज दर 4% रह जाती है।

देश में 7.75 करोड़ से अधिक ङउउ खाते हैं, जिससे किसानों को सस्ता व सुलभ ऋण मिल रहा है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, ई-नाम, ड्रोन, स्मार्ट सिंचाई, प्राकृतिक खेती, कृषि यंत्रों पर अनुदान आदि के माध्यम से खेती को आधुनिक-टिकाऊ बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के तहत मूल्य समर्थन योजना, मूल्य न्यूनता भुगतान योजना, बाजार हस्तक्षेप योजना और मूल्य स्थिरीकरण निधि को लागू किया गया है। मूल्य स्थिरीकरण निधि के तहत दलहन, तिलहन व कोपरा की एमएसपी पर खरीद सीधे किसानों से की जाती है। 2024-25 में सोयाबीन की 19.97 लाख मीट्रिक टन व मूंगफली की 17.73 लाख मीट्रिक टन खरीद की गई, जो अब तक की सबसे अधिक है। तकनीकी नवाचारों के साथ ये पहलें किसानों को आत्मनिर्भर, समृद्ध व खुशहाल बनाने की दिशा में मील का पत्थर हैं।

बिजनेस

वेटिंग टिकट कन्फर्म हुआ या नहीं, 24-घंटे पहले पता चलेगा:अभी 4 घंटे पहले चार्ट बनने पर पता चलता है

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने वेटिंग लिस्ट वाले पैसेंजर्स के लिए नए नियम लेकर आई है। अब यात्रियों को सीट कन्फर्म हुई या नहीं इसकी जानकारी ट्रेन निकलने के एक दिन पहले पता चल जाएगी। रेलवे ने अब चार्ट बनाने का समय ट्रेन के चलने से 24 घंटे पहले कर दिया है। अभी सिर्फ 4 घंटे पहले रिजर्वेशन चार्ट बनाया जाता था। ऐसे में वेटिंग टिकट वालों को आखिरी वक्त तक कंफर्मेशन का इंतजार करना पड़ता था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह नियम 6 जून से बीकानेर डिवीजन में लागू किया गया है। धीरे-धीरे इसे देशभर के अन्य डिवीजनों में भी लागू किया जाएगा। तत्काल टिकट बुकिंग पर लागू नहीं होगा ये नियम रेलवे ने यह भी कहा कि नए नियम से तत्काल टिकट बुकिंग या अन्य नियमों में कोई बदलाव नहीं होगा। तत्काल टिकट यात्रा से एक दिन पहले बुक किए जाएंगे और उनकी कंफर्मेशन प्रक्रिया पहले के जैसे ही रहेगी।

इससे पहले भारतीय रेलवे ने 1 मई से वेटिंग टिकट के लिए नए नियम लागू किए थे। इनके अनुसार, वेटिंग लिस्ट टिकट वाले यात्रियों को अब स्लीपर या अउ कोच में यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी। जिन यात्रियों के टिकट वेटिंग लिस्ट में हैं, वे अब सिर्फ जनरल कोच में ही सफर कर सकेंगे।

अगर कोई यात्री वेटिंग टिकट पर अउ या स्लीपर कोच में यात्रा करता हुआ पाया जाता है, तो उस पर जुमार्ना लगेगा।रेवले ने बताया कि क्ऋठळउ के जरिए बुक किए गए टिकट कन्फर्म न होने पर अपने आप रद्द हो जाते हैं, लेकिन काउंटर से बुक किए गए टिकट का इस्तेमाल लोग ट्रेन में चढ़ने के लिए करते हैं। इस वजह से कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों को असुविधा होती है।

1 मई, 2025 से लागू होने वाला एक और नियम यह है कि क्ऋठळउ की वेबसाइट या ऐप से बुक की जाने वाली हर ट्रेन टिकट के लिए डळढ-आधारित मोबाइल सत्यापन की आवश्यकता होगी। इस उपाय का उद्देश्य सुरक्षा बढ़ाना और बुकिंग प्रणाली के दुरुपयोग को रोकना है।

वेटिंग टिकट का स्लीपर क्लास से फर्स्ट-अउ में अपग्रेड भी बंद 21 मई को भारतीय रेलवे ने वेटिंग लिस्ट टिकट से जुड़े ऑटो अपग्रेड प्रक्रिया में बदलाव किए थे। क्ऋठळउ के अनुसार, स्लीपर क्लास के टिकट फर्स्ट अउ में अपग्रेड नहीं किए जाएंगे, भले ही बर्थ खाली हों।

अब तक, वेटिंग लिस्ट वाले यात्री का टिकट सीट अवेलेबल न होने पर बुकिंग की गई कैटेगरी से ऊपर की कैटेगरी में अपग्रेड कर दिया जाता था, लेकिन इस नियम को बदल दिया गया है।

यह बदलाव ट्रेन में रिजर्व्ड कोचों में सीट बांटने को अधिक व्यवस्थित करने और हायर कैटेगिरी के कोचों में भीड़ को कंट्रोल करने के लिए किया गया है। सेंटर फॉर रेलवे इन्फॉरमेशन सिस्टम (उफकर) इस नए नियम को लागू करने के लिए अपने सॉफ्टवेयर को अपडेट कर रही है।

स्लीपर टिकट दो क्लास ऊपर तक ही अपग्रेड होगा नए नियम के अनुसार, अब स्लीपर क्लास के टिकट को केवल दो श्रेणी ऊपर तक ही अपग्रेड किया जाएगा। उदाहरण के लिए- स्लीपर क्लास (रछ) टिकट को अधिकतम थर्ड अउ (3अ) या सेकेंड अउ (2अ) में अपग्रेड किया जा सकता है, लेकिन फर्स्ट एसी (1अ) में नहीं।

3,000 रुपये से ज्यादा के वढकलेनदेन पर फीस... पॉलिसी में बडे.बदलाव का प्लान

नई दिल्ली: सरकार यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) ट्रांजैक्शन पर नया नियम लाने की सोच रही है। यह नियम 3,000 रुपये से ज्यादा के ट्रांजेक्शन पर एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) फिर से लागू कर सकता है। इसका मकसद बैंकों और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर को इन्फ्रास्ट्रक्चर और ऑपरेशनल खर्चों को संभालने में मदद करना है। सूत्रों के अनुसार, एमडीआर ट्रांजैक्शन वैल्यू पर आधारित होगा, न कि मर्चेंट टर्नओवर पर। छोटे यूपीआई पेमेंट पर यह नियम लागू नहीं होगा। लेकिन, बड़े ट्रांजेक्शन पर मर्चेंट फीस लग सकती है। यह जनवरी 2020 से लागू जीरो-एमडीआर पॉलिसी को बदल देगा। पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री कार्यालय, आर्थिक मामलों के विभाग और वित्तीय सेवा विभाग के बीच एमडीआर फ्रेमवर्क का आकलन करने के लिए एक मीटिंग हुई थी।

बैंकों और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर ने बड़े डिजिटल ट्रांजैक्शन को संभालने की बढ़ती लागत पर चिंता जताई है। यूपीआई से लगभग 80% रिटेल डिजिटल ट्रांजैक्शन होते हैं। जीरो-एमडीआर के कारण इस सेक्टर में निवेश के लिए प्रोत्साहन कम हो गया है। 2020 से यूपीआई पर्सन-टू-मर्चेंट ट्रांजैक्शन का मूल्य 60 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इससे पता चलता है कि बाजार में इसकी गहरी पैठ है। उपभोक्ताओं का इस पर बहुत भरोसा है। खासकर बड़े ट्रांजैक्शन में, जहां सर्विस प्रोवाइडर को ज्यादा खर्च उठाना पड़ता है।पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया ने यूपीआई ट्रांजैक्शन पर बड़े मर्चेंट के लिए 0.3% एमडीआर का प्रस्ताव रखा है। अभी क्रेडिट और डेबिट कार्ड पेमेंट पर एमडीआर 0.9% से 2% तक है, जिसमें फ्श्ढक शामिल नहीं है। सूत्रों के अनुसार, रुपे क्रेडिट कार्ड को अभी एमडीआर से बाहर रखा जाएगा। एमडीआर वह शुल्क होता है जो व्यापारी (मर्चेंट) डिजिटल भुगतान स्वीकार करने के लिए बैंक या पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर को देते हैं।

राज-काज

शेयर बाजार में इस हफ्ते तेजी का अनुमान

मुंबई। इस सप्ताह 100 से ज्यादा कंपनियां अपने मार्च 2025 तिमाही यानी चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। टेक्नोलॉजीज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रइक लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, टेक महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसी बड़ी कंपनियों के भी रिजल्ट्स आएंगे। बाजार की यूरोपियन यूनियन और चीन के साथ अमेरिका की ट्रेड वार्ता पर कड़ी नजर रहेगी। अमेरिका ने चीन को छोड़कर सभी ट्रेड पार्टनर्स के लिए टैरिफ रेट के इम्प्लिमेंटेशन को 90 दिनों तक रोक दिया है। पिछले हफ्ते अमेरिका ने चीन के प्रोडक्ट्स पर 245% टैरिफ की घोषणा की, जिससे दोनों देशों के बीच ट्रेड टैरिफ वॉर बढ़ गई। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों की-पार्टनर्स के साथ समझौते पर पहुंचने की बात कही है। इस बीच पिछले हफ्ते भारतीय इक्विटी में निवेशकों की भावना इस उम्मीद से बढ़ी कि अमेरिका-चीन व्यापार विवाद भारत को नुकसान नहीं।

40 से 45 रुपये किलो बिक रहा 'फलों का राजा'

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में इस समय आम की कीमत काफी कम हो गई है। किसानों और व्यापारियों के अनुसार, पिछले साल के मुकाबले इस साल दाम लगभग एक तिहाई कम हो गए हैं। जो दशहरी आम पिछले साल 60 रुपये किलो बिक रहा था, वो अब 40-45 रुपये किलो बिक रहा है। दाम गिरने का कारण है आम का ज्यादा उत्पादन होना। किसानों ने जल्दी फसल इसलिए काट ली क्योंकि उन्हें डर था कि मानसून जल्दी आ जाएगा। मौसम विभाग ने भी भविष्यवाणी की थी कि जून से सितंबर के बीच बारिश सामान्य से ज्यादा होगी।

टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक मैंगो ग्रोवर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एस इंसराम अली ने कहा, 'इस साल उत्तर प्रदेश में आम का उत्पादन लगभग 35 लाख मीट्रिक टन होने का अनुमान है, जबकि पिछले साल यह 25 लाख मीट्रिक टन था। आम के पेड़ों में 100% फूल आए, जिससे पता चलता है कि उत्पादन अच्छा होगा।' अली ने यह भी कहा कि यह संभावना नहीं है कि आने वाले हफ्तों में कीमतें बढ़ेंगी।साल 2024 में पूरी दुनिया में आम का उत्पादन 25 मिलियन मीट्रिक टन (टळ) तक पहुंच गया। इसमें से लगभग आधा उत्पादन भारत में हुआ। चीन 3.8 मिलियन मीट्रिक टन और इंडोनेशिया 3.6 मिलियन मीट्रिक टन के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

उत्तर प्रदेश भारत के कुल आम उत्पादन में लगभग 20% का योगदान करता है।आंध्र प्रदेश के तिरुपति और चित्तूर क्षेत्रों में भी तोतापुरी आम के दाम बहुत गिर गए हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि पल्प बनाने वाली कंपनियों ने किसानों से आम खरीदना बंद कर दिया है। किसानों ने मानसून के जल्दी आने की आशंका से पहले ही फसल काट ली थी, जिससे स्थिति और भी खराब हो गई।तिरुपति के एक आम व्यापारी सुधीर रेड्डी के अनुसार, इस सीजन में तोतापुरी आम उगाने वाले किसानों को भारी नुकसान हुआ है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि बाजार में दाम कम हो गए और पल्प फैक्ट्रियों ने भी देर से आम खरीदना शुरू किया। इंडस्ट्री के लोगों का कहना है कि पिछले साल का बना हुआ पल्प अभी भी गोदामों में भरा हुआ है, इसलिए इस साल वे कम खरीद रहे हैं।

जगन्नाथ मंदिर में स्नान बेदी पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा की स्नान पूर्णिमा अनुष्ठान करते हैं।

मुख्यमंत्री बोले-राज्य सरकार किसानों के साथ खड़ी है; किसान कांग्रेस ने चक्की पर दली मूंग

मूंग-खरीदी को लेकर सीएम से मिले बीजेपी विधायक

संवाददाता ● भोपाल

चर्चा

मूंग खरीदी शुरू कराने की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधिमंडल ने भी सीएम डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कृषि उपज मंडियों में पारदर्शी व्यवस्था बनाकर मूंग खरीदी की जाएगी। प्रदेश के बाहर से व्यापारियों को भी मूंग खरीदी के लिए सुविधाएं दी जाएंगी और प्रोत्साहित किया जाएगा। मंडियों में किसानों को मूंग विक्रय का उचित दाम मिल सके इसके लिए व्यापारियों को बोली लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मूंग पर मंडी शुल्क में राहत दी जा सकती है या नहीं इसकी जांच की जाएगी। किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) और आईटीसी को मूंग नीलामी में शामिल करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। हमारी कोशिश है कि मंडियों में मूंग की मॉडल दरे बढ़कर लगभग 7500 रुपए प्रति क्विंटल हो जाए। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बाहर से आने वाले व्यापारियों को नये मंडी लाइसेंस भी दिए जाएंगे।

सीएम ने कहा- राज्य सरकार किसानों के साथ खड़ी है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ खड़ी है। खेती और किसानी राज्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। प्रदेश में कृषि आधारित उद्योग लगाने के लिए कोई कसर छोड़ी नहीं जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कपास उत्पादन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। गौ-शाला संचालित करने के लिए 20 रुपए से बढ़ाकर प्रति गाय 40 रुपए अनुदान राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसान, फसल चक्र अपना कर उत्पादन में वृद्धि कर सकते हैं। प्रतिनिधिमंडल में भारतीय किसान संघ, मध्यप्रदेश के अध्यक्ष कमल सिंह आंजना, चंद्रकांत गौर और अन्य पदाधिकारी शामिल थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा उपस्थित थे।

इधर, मूंग खरीदी की मांग को लेकर सीएम से मिले बीजेपी विधायक

भोपाल, विदिशा, देवास, नर्मदापुरम सहित प्रदेश भर के मूंग उत्पादक जिलों में किसानों का विरोध बढ़ता देख मंगलवार को बीजेपी के विधायकों ने सीएम डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। सीएम से मिलकर मूंग खरीदी शुरु कराने की मांग करने वाले विधायकों में बुधनी विधायक रमाकांत भार्गव, सोहागपुर के विधायक विजयपाल सिंह, खातेगांव के विधायक आशीष शर्मा, सिवनी मालवा के विधायक प्रेमशंकर वर्मा मौजूद थे। मप्र में मूंग खरीदी न होने से एक तरफ जहां किसान परेशान हैं। वहीं, दूसरी तरफ विपक्ष सरकार पर हमलावर है। मूंग खरीदी न होने के विरोध में मप्र किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान ने बीजेपी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और नर्मदापुरम सांसद दर्शन सिंह चौधरी के गृह ग्राम चांदोन में चक्की पर मूंग दल कर अपना विरोध जताया।

कांग्रेस ने लिखा- मूंग दलकर किसानों की आवाज उठाई

किसान कांग्रेस के नेताओं का वीडियो X पर शेयर कर एमपी कांग्रेस की ओर से लिखा गया- भाजपा नेताओं की छाती पर मूंग दलकर उठाई किसानों की आवाज़। नर्मदापुरम जिले के ग्राम चांदोन में, जो भाजपा के किसान मोर्चा अध्यक्ष और सांसद दर्शन सिंह का गृह ग्राम है। जहां किसानों ने मूंग की लुटती कीमतों और भाजपा की किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ बग़ावत का बिगुल फूंका। किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेताओं की छाती पर मूंग दलकर विरोध किया। भाजपा सरकार को मूंग किसानों का दर्द दिखाई नहीं देता, क्योंकि उनकी आंखें सत्ता की चकाचौंध में अंधी हो चुकी हैं। नीति की जगह नीयत बिक चुकी है और वादों की जगह धोखे की राजनीति चल रही है। कृषि विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल का वीडियो एक्स पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव ने शेयर कर मप्र सरकार पर हमला बोला। सरकार ने तो पहले ही बता दिया था कि इस बार मूंग की खरीददारी नहीं होगी। ये तो सभी जगह मुख्यमंत्री जी के भी स्टेटमेंट थे। क्योंकि, मूंग में विडीसाइड जो डाल रहे हैं।

शॉट न्यूज

ट्रेन से चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार

कटनी। मध्यप्रदेश की कटनी जीआरपी पुलिस ने चलती ट्रेन से बेशकीमती समानों की चोरी करने वाले एक शातिर बदमाश को पकड़ा है। इसके कब्जे से दो लाख के सोने के जेवरात बरामद किए गए हैं। 14 हजार कीमत का चोरी का मोबाइल फोन खरीदने वाला सहआरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक 15 जनवरी की रात चित्रकूट धाम, कर्बी निवासी राजेश कुमार अपनी पत्नी के साथ ट्रेन क्रमांक 18204 बेतवा एक्सप्रेस से अपने घर उत्तरप्रदेश के कर्बी से रिश्तेदारी में जा रहे थे। तभी झुकेही और अमदरा स्टेशन के आउटर में ट्रेन की गति धीमी होते ही शातिर बदमाश ने चलती ट्रेन के बी6 कोच में घुसकर बर्थ नंबर 17, 18, 19 और 20 में परिजनों के साथ लेटे राजेश कुमार की पत्नी का पर्स लेकर भाग निकला। चलती ट्रेन में हुई चोरी से पूरे ट्रेन में हड़कंप मच गया और पीड़ितों ने मामले की शिकायत कटनी जीआरपी थाने में करवाई।

35 दबंगों ने दो जवानों को बंधक बनाकर पीटा

दमोह। दमोह से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। खबर ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। जिले के मगरोन थाना क्षेत्र में डायल-100 की टीम पर ग्रामीणों द्वारा जानलेवा हमला किया गया। इस हमले में पुलिस आरक्षक बलराम लोधी और डायल-100 के पायलट मनोज राजपूत गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज जारी है। घटना रात करीब 8 बजे की है। जब पुलिस कंट्रोल रूम से मगरोन थाना की डायल-100 टीम को पेरवारा गांव भेजा गया। सूचना थी कि कुछ लोग गांव में एक जमीन पर अवैध कब्जा कर रहे हैं। माहौल बिगाड़ रहे हैं। जब आरक्षक बलराम लोधी और पायलट मनोज राजपूत मौके पर पहुंचे तो वहां मौजूद 30-35 लोगों की भीड़ ने अचानक हमला बोल दिया।

महिला ने युवती को बीच सड़क पर ही रोककर जमकर पीटा

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें बीच सड़क पर मारपीट की घटना है। बताया गया कि शहर के लल्ली चौक पर मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक महिला ने एक युवती पर उसके पति से बातचीत करने का आरोप लगाते हुए बीच सड़क पर मारपीट शुरू कर दी। यह पूरा वाकया राह चलते लोगों के मोबाइल कैमरों में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला ने चौक पर एक दुकान में काम करने वाली युवती को देख लिया, जो प्रतिदिन उसी रास्ते से गुजरती है। महिला का आरोप है कि उक्त युवती उसके पति से फोन पर संपर्क करती है। इसी बात से नाराज़ होकर महिला ने उसे सड़क पर रोक लिया और बाल खींचते हुए थप्पड़ और घूंसे मारने लगी।

छोटे निवेशक होंगे लाभान्वित, किसान भी बनेंगे निवेशक

सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना में होगा 20 हजार करोड़ का निवेश : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सिरमौर बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा देश में वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट तक सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के स्वप्न को साकार करने में मध्यप्रदेश शत-प्रतिशत योगदान देगा। उन्होंने कहा कि भोपाल में सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना समिट में देश एवं प्रदेश के 350 से अधिक निवेशकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की है। सभी के उत्साह का ही परिणाम है कि योजना में 20 हजार करोड़ से अधिक राशि का निवेश होना संभावित है।

योजना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में 'सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना' समिट को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्लोबल एक्सपर्ट एवं जेआईजेड के प्रोजेक्ट डायरेक्टर बर्नार्ड क्रूजबर को तकनीकी सहयोग के लिए सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नायक हैं। मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। प्रदेश में सोलर तथा पवन ऊर्जा का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो रहा है। मध्यप्रदेश के सोलर ऊर्जा उत्पादन से नई दिल्ली में मेट्रो ट्रेन चल रही है और कई घरों को बिजली मिल रही है। निकट भविष्य में पड़ोसी राज्यों के साथ मिलकर 6-6 महीने बिजली उपलब्धता के लिए सोलर प्रोजेक्ट शुरू किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में राज्यों के बीच सौहार्द्र का वातावरण बना है।

मध्यप्रदेश ने उत्तरप्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के साथ नदी जोड़ो परियोजनाएं शुरू की हैं। ऊर्जा उत्पादन में नागरिकों को जोड़कर अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कहा कि सूर्य अनंत ऊर्जा का भंडार है। सूर्य देव हमारे सौरमंडल में ऊर्जा के प्रमुख केंद्र हैं। ऋषि-मुनियों ने बताया है कि सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा करते हैं। प्रकाश से ही जीवन मिलता है। सनातन संस्कृति में सभी कार्यक्रमों की शुरुआत दीप प्रज्वलन से होती है, जो कि सूर्य आराधना का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कहा कि राज्य में ऊर्जा और नवकरणीय ऊर्जा विभाग मिलकर कार्य कर रहे हैं। सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना में छोटे-छोटे निवेशकों को भी जोड़ना एक सराहनीय प्रयास है। मध्यप्रदेश सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के 11 साल में बड़े बदलाव आए हैं। मध्यप्रदेश बिजली के मामले में सरप्लस है। मोहासा बाबई में नवकरणीय ऊर्जा के उपकरण निर्माण के लिए 22 इकाइयों के लिए भूमिपूजन किया जा चुका है इससे 24 हजार रोजगार सृजित होंगे। वर्ष 2025 तक प्रदेश के सभी शासकीय भवनों पर सोलर रूफटॉप लगाए जाएंगे।

नीमच-रीवा में बड़े सोलर प्रोजेक्ट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महेश्वर में बना फ्लोटिंग एनर्जी पार्क अद्भुत है। नीमच और रीवा में बड़े सोलर प्रोजेक्ट संचालित हैं। प्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता 15 गुना बढ़ चुकी है, जिसमें सौर ऊर्जा में 48 प्रतिशत और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्तमान में राज्य में 9300 मेगावॉट से अधिक नवकरणीय ऊर्जा की परियोजनाएं संचालित हैं। अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं पर बैंक सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि सोलर एनर्जी से किसानों की जीवन-शैली भी बदलेगी। सोलर एनर्जी से कोयला भंडार भी भरा रहेगा। सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाते हुए बिजली के बिल से मुक्ति दिलाएगी। आगामी तीन वर्ष में 32 लाख सोलर पंप कनेक्शन लगाए जाएंगे। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा कि समिट के आयोजन से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सौर ऊर्जा में देश को अग्रणी बनाने के स्वप्न को पूरा करने में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश की ओर से किये जाने वाले अभूतपूर्व योगदान के संकल्प को पूरा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दिशा और दशा को बदलने का कार्य हो रहा है। यह समिट 'सूर्य मित्र कृषि फीडर' योजना को क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रदेश में इस योजना में 1900 सब-स्टेशनों पर 100 प्रतिशत क्षमता तक की परियोजनाओं का क्रियान्वयन मिशन मोड में किया जाएगा। योजना में निवेशकों को अपनी परियोजनाओं के लिये 1.5 करोड़ रुपये प्रति मेगावॉट का केन्द्रीय अनुदान चुनने की स्वतंत्रता दी गई है। मंत्री श्री शुक्ला ने बताया कि देश में इस प्रकार की परियोजनाओं को रिएक्टिव पॉवर से संबंधित प्रोत्साहन देने का नवाचार प्रदेश में किया जा रहा है। यह योजना प्रधानमंत्री मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के मिशन को भी गति प्रदान करेगी। इसमें स्थानीय उद्यमियों के लिये निवेश एवं रोजगार सृजन के पर्याप्त अवसर उपलब्ध होंगे। मंत्री शुक्ला ने कहा कि 'सूर्य मित्र कृषि फीडर' योजना में परियोजनाओं को भारत सरकार द्वारा कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ) में 7 वर्ष तक 3 प्रतिशत ब्याज में छूट मिलेगी। यह छूट निवेशकों को राहत देगी। उन्होंने बताया कि परियोजनाओं के विस्तार और कार्यान्वयन के लिये जर्मन सरकार की संस्था जीआईजेड से तकनीकी सहयोग भी लिया जा रहा है। मंत्री शुक्ला ने कहा कि परियोजनाओं के लिये सुगम एवं व्यवस्थित वित्त पोषण को सुनिश्चित करने के लिये स्टेट बैंक, सेंट्रल बैंक और एयू स्मॉल बैंक इत्यादि से एमओयू हुआ है। निवेशकों को इन बैंकों के मार्फत फाइनेंस सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम सिंह तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.यादव के नेतृत्व में बिजली की कमी दूर करने के लिए ग्रीन एनर्जी पर जोर दिया जा रहा है। वे भावी पीढ़ियों के लिए कार्य कर रहे हैं इससे पर्याप्त बिजली और प्रदूषण से मुक्ति मिलेगी। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के साथ हमारा विभाग मिलकर कार्य कर रहा है। सोलर पंप लगने से किसानों को लाभ मिलेगा। सरकार किसानों से अतिरिक्त बिजली भी खरीदेगी। बिजली से बचत की राशि स्कूल, अस्पताल जैसी बुनियादी सुविधाएं विकसित करने पर खर्च की जाएगी। अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मनु श्रीवास्तव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में किसानों को दिन में भी और अधिक सौर ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिये महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं।

मकान मालिक-किरायेदार विवाद सुलझाने के लिए सरकार लाएगी मॉडल टेनेंसी एक्ट

संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश सरकार मकान मालिकों और किरायेदारों के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवादों के समाधान के लिए मॉडल टेनेंसी एक्ट (एमटीए) लाने जा रही है। इस प्रस्ताव को विधि विभाग से मंजूरी मिल चुकी है और अब इसे मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वरिष्ठ सचिवों की बैठक में रखा जाएगा। वहां स्वीकृति मिलने के बाद इसे आगामी कैबिनेट बैठक में पेश किया जाएगा। सरकार का इरादा है कि यह अधिनियम विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पारित किया जाए। यह कानून शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में लागू होगा, जबकि वर्तमान में प्रदेश में लागू मप्र परिसर किरायादारी अधिनियम-2010 केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित है। मॉडल टेनेंसी एक्ट (एमटीए) के तहत राज्य में तीन स्तरों पर न्यायिक व्यवस्था का गठन किया जाएगा। इसमें किराया प्राधिकरण, जिसकी अध्यक्षता अपर कलेक्टर रैंक का अधिकारी करेगा। किराया न्यायालय, जिसकी जिम्मेदारी एडीएम रैंक के अधिकारी को दी जाएगी। किराया ट्रिब्यूनल, जिसमें अतिरिक्त जिला न्यायाधीश या जिला न्यायाधीश स्तर के अधिकारी होंगे। इन संस्थाओं के निर्णय के बाद ही कोई मामला सिविल न्यायालय में ले जाया जा सकेगा। सभी सदस्य लोक सेवक माने जाएंगे। सरकार का मानना है कि मौजूदा अधिनियम में संपत्ति मालिकों के हितों की पर्याप्त रक्षा न होने से वे अपनी संपत्तियां किराए पर देने में संकोच करते हैं। नए एक्ट के दायरे में आयोग, अंतरराष्ट्रीय संगठन, बहुराष्ट्रीय कंपनियां और उनके किरायेदार भी आएंगे। मौजूदा अधिनियम में इन्हें छूट मिली हुई थी। इसके अलावा, मकान मालिक या किरायेदार की मृत्यु होने पर यह कानून उनके उत्तराधिकारियों पर भी लागू होगा। वहीं, एमटीए में प्रॉपर्टी एजेंटों को कानूनी मान्यता दी जाएगी। उन्हें संबंधित जिले के कलेक्ट्रेट कार्यालय में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही उनकी जिम्मेदारियां और दायित्व भी तय किए जाएंगे।

बैठक

बिना अनुमति निर्माण पर कार्रवाई

किरायेदार अब कोई भी अतिरिक्त निर्माण या फेरबदल नहीं कर सकेगा। यदि वह ऐसा करता है तो उसे बेदखल किया जा सकेगा और जमा राशि या अग्रिम किराए से नुकसान की भरपाई की जाएगी। आवासीय परिसर में अधिकतम दो महीने का अग्रिम किराया लिया जा सकेगा। गैर-आवासीय परिसर में यह सीमा छह महीने की होगी।

इंसाफ के लिए तपती जमीन पर लोटे किसान

संवाददाता ● सतना

पिछले कई वर्षों से किसानों की जमीन पर पावर ग्रिड टावरों को लगाया गया। इसके लिए कोर्ट ने मुआवजे का आदेश दिया था। सालों से किसान इस मुआवजे के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अब जिले के किसानों ने संघर्ष का नया मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को जिले के नागौद थाना क्षेत्र के पौड़ी तिराहा से सैकड़ों किसानों ने चिलचिलाती धूप में 'लेटी परिक्रमा' और पदयात्रा शुरू कर दी। 42 डिग्री की झुलसाती गर्मी में किसान सड़क पर लेटकर कलेक्ट्रेट की ओर निकल पड़े हैं। उनका एक ही सवाल है हमारी जमीन गई, मुआवजा कब मिलेगा? यह विरोध सिर्फ एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि किसानों की पीड़ा, हताशा और न्याय की गुहार है। परिक्रमा की शुरुआत महिला किसानों ने की थी। उनका कहना था कि अगर हमें जीने का अधिकार नहीं, तो कृपया मरने की अनुमति दी जाए।

क्लीनिक आए मरीज को डॉक्टर ने 'ब्रह्माक्षरी' में लिख दी दवा की पर्ची

संवाददाता ● सतना

मप्र के सतना जिले में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया। जिले के सामुदायिक अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीज को डाक्टर ने ऐसी लिपि में दवा लिख दी, जिससे दवा खरीदने में उसे चक्कर आ गए, क्योंकि कोई भी मेडिकल स्टोर डाक्टर की सुझाई दवा को डीकोड ही नहीं कर पाया। मामला नागौद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का है, जहां तैनात डॉक्टर द्वारा लिखी गई पर्ची विवादों में आई है। बताया जाता है कि डॉक्टर ने मरीज को पहले अपने प्राइवेट क्लीनिक में दिखाने को कहा, लेकिन जब वह सरकारी अस्पताल पहुंच गया, तो वहां तैनात सरकारी डॉक्टर ने कुछ इस अंदाज में दवा की पर्ची लिखी कि कोई दवा विक्रेता उसे पढ़ नहीं पाया। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी अस्पताल में तैनात डॉक्टर सुमीत सोनी मरीज को परेशान करने के इरादे से दवा पर्ची में ब्रम्हाक्षरी लिपि में दवा का नाम लिखा, जिसको डीकोड करने में कोई भी मेडिकल स्टोर का दुकानदार सफल नहीं हुआ। बताया जाता है डाक्टर पहले भी एक मरीज के साथ ऐसे खिलवाड़ कर चुका है।

छतरपुर के खजुराहो में हादसा

ट्रेनी विमान खराबी के कारण रनवे पर हुआ दुर्घटनाग्रस्त

संवाददाता ● छतरपुर

हादसा

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के खजुराहो एयरपोर्ट पर एक हादसा हो गया। यह हादसा ट्रेनी एयरक्राफ्ट के क्रैश लैंडिंग के चलते हुआ। हादसा उस वक्त हुआ जब एक पायलट ने ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट से उड़ान भरी और अचानक तकनीकी समस्या आ जाने के कारण इमरजेंसी लैंडिंग हुई। क्रैश लैंडिंग करते समय यह एयरक्राफ्ट खजुराहो रनवे पर ही फिसल कर खेतों में घुस गया जिसकी वजह से ट्रेनी एयरक्राफ्ट क्षतिग्रस्त हो गया और कई टुकड़े हो गए। गनीमत यह रही कि पायलट को किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि जिस समय ट्रेनी एयरक्राफ्ट VT-VPI उड़ान भरा उस समय उसमे दो पायलट मौजूद थे। उड़ान भरते ही प्लेन अचानक हिचकोले खाने लगा और संतुलन बिगड़ने के कारण तेजी से जमीन पर गिरने लगा। इसके बाद तत्काल पायलट ने ATC से प्लेन की अमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। सिग्नल मिलते ही उसे रनवे पर लैंड टच ग्राउंड कराने की कोशिश की लेकिन इसी बीच एयरक्राफ्ट खेतों में जा घुसा और उसके टुकड़े हो गए।हादसे को लेकर अभी तक जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार एयरक्राफ्ट के गियर में कोई दिक्कत हुई जिस वजह से यह समस्या हुई। हालांकि पूरी जांच के बाद ही हादसे की असली वजह सामने आ पाएगी कि असल तकनीकि खराबी क्या थी। हालांकि प्लेन पर सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं।

हाउसफुल 5 का मास्टर स्ट्रोक, 5 वें दिन धड़ाधड़ छापे नोट

बॉलीवुड की फेमस कॉमेडी फिल्म फ्रेंचाइजी हाउसफुल के पांचवे भाग हाउसफुल 5 को रिलीज किया गया। इस मूवी ने अपनी शानदार कहानी के दम पर ऑडियंस का दिल जीत लिया है, जिसकी बदौलत बॉक्स ऑफिस पर इसका धमाकेदार प्रदर्शन जारी है। वीक डे में भी हाउसफुल 5 कलेक्शन के मामले में धीमी पड़ती नजर नहीं आ रही है और डबल डिजिट में नोट छापती हुई आगे बढ़ रही है। बेशक रविवार की तुलना में सोमवार को हाउसफुल 5 का कलेक्शन नीचे की तरफ गिरा, लेकिन आंकड़े इतने खराब नहीं थे, जिनके बारे में चर्चा न की जाए। रिलीज के 5वें दिन हाउसफुल ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी शानदार इनकम की लय को बरकरार रखा है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को इस मूवी ने अनुमानित 10 करोड़ का कारोबार कर लिया है। ओपनिंग डे से लेकर अब तक हाउसफुल पार्ट 5 ने डबल डिजिट में कमाई को जारी रखा है, जो इस बिग बजट की मूवी के लिए बड़ी बात है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार निर्माता साजिदनाडियाडवाला की ये मूवी 240 करोड़ की लागत से बनी है, इस आधार अभी घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के तहत अक्षय कुमार की फिल्म बजट निकालने से कोसों दूर है। इसी लय के साथ आने वाले दिनों में अगर हाउसफुल 5 बॉक्स ऑफिस पर कमाई को जारी रखती है तो ये 2025 की एक और सफल मूवी बन सकती है। अब अगर 'हाउसफुल 5' के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात की जाए तो विदेशों में भी ये फिल्म अपना कमाल दिखा रही है। जहां इसने चार दिनों में विदेशों में 41 करोड़ का आंकड़ा छू लिया है, वहीं वर्ल्डवाइड कमाई का आंकड़ा 175.00 करोड़ के करीब नजर आ रहा है।

दीया मिर्जा पर भड़कीं करीना

इवेंट में चिल्लाकर पूछा- तुम कौन होती हो? नम्रता शिरोडकर भी थीं मौजूद

बॉलीवुड की फिल्मों जितनी ही सुर्खियां उसके पर्दे के पीछे के तनाव भी बटोरते हैं। ऐसा ही एक किस्सा रेडिफ को दिए एक पुराने इंटरव्यू में एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने करीना कपूर खान के साथ हुए एक पुराने विवाद को लेकर बताया था। दीया ने बताया था कि यह लखनऊ में सहारा ग्रुप के एक कार्यक्रम में हुआ था। इस इवेंट में करीना कपूर, उर्मिला मातोंडकर, नम्रता शिरोडकर और दीया मिर्जा शामिल होनी थीं। दीया ने कहा था, 'हमें कॉटन की सलवार-कमीज पहनने थे जिन पर राष्ट्रीय ध्वज लगा होना था।' लेकिन करीना ने इसके बजाय भारी गहनों वाला घाघरा-चोली पहनने की इच्छा जताई। इसके साथ उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज भी नहीं पहना था। दीया के अनुसार, करीना के इस फैसले से ग्रुप में नाराजगी फैल गई। दीया ने बताया था, 'नम्रता (शिरोडकर) इस बात से बहुत परेशान थीं कि करीना तय ड्रेस कोड का पालन नहीं कर रहीं। मैंने नम्रता से कहा कि वह अपना आउटफिट उठाकर बाहर आ जाएं ताकि हम यह मसला निजी तौर पर सुलझा सकें।' लेकिन तभी करीना भड़क गईं। दीया ने कहा था, 'अचानक, पता नहीं क्या हुआ कि करीना जोर-जोर से मुझ पर चिल्लाने लगीं, 'तुम कौन होती हो? तुम कौन हो जो नम्रता को सलाह दे रही हो?' मैं इससे शॉक्ड रह गई और बहुत हर्ट भी हुई। बिना कोई जवाब दिए मैं कमरे से बाहर आ गई।' हालांकि, थोड़ी देर बाद स्थिति में बदलाव आया। दीया ने बताया था, 'आधे घंटे बाद करीना के सेक्रेटरी जतिन (जो उस समय मेरे सेक्रेटरी भी थे) मेरे कमरे में आए और कहा कि करीना पूछ रही हैं कि क्या मैं तैयार हूं। कुछ ही मिनटों में करीना मुझसे ऐसे बात करने लगीं जैसे कुछ हुआ ही नहीं हो। मैं इस नतीजे पर पहुंची कि करीना एक ऐसी लड़की है जिसे यह एहसास ही नहीं होता कि वह कब तर्कहीन, अनुचित और ज्यादा आक्रामक मचाने वाली हो जाती है।'बता दें कि बाद में दोनों के संबंध अच्छे हो गए। दोनों ने 2009 में फिल्म 'कुर्बान' में साथ काम किया। वक्त के साथ दोनों के रिश्ते बेहतर हो गए। दीया करीना के रेडियो शो में भी नजर आईं, जहां दोनों ने मेंटल हेल्थ और सोशल मीडिया के दबाव जैसे मुद्दों पर बातचीत की।

जोश में खलनायक बना था ये एक्टर अब गुमनामी के साये में है गायब

सिनेमा जगत में कई अभिनेता ऐसे रहे हैं, जिनको पूरे करियर में कभी भी लीड रोल प्ले करने का मौका नहीं मिला। इसके बावजूद सपोर्टिंग एक्टर के तौर पर उन्होंने फिल्मी दुनिया में खूब नाम कमाया। ऐसे ही एक कलाकार शरद कपूर हैं, जिन्होंने 2000 दशक की ज्यादातर मूवीज में खलनायक की भूमिका को निभाया। बॉलीवुड का ये दिग्गज अभिनेता आज गुमनामी के साये में घूम है। फिल्मों से दूर मौजूदा समय में शरद कपूर क्या कर रहे हैं, आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं। सुपरस्टार शाह रुख खान की फिल्म जोश में नेगेटिव रोल प्ले करने से शरद कपूर को काफी लोकप्रियता हासिल हुई है। इस तरह की कई ऐसी फिल्में रहीं, जिनमें वह साइड रोल में विलेन बनते दिखे। दमदार अभिनय के दम पर शरद किरदार में जान फूंकने में माहिर रहे और उनकी स्क्रीन्स प्रेजेंस भी फैंस को काफी पसंद आई। लेकिन आज ये एक्टर काम के लिए तरस रहा है। दरअसल लंबे समय से शरद कपूर को किसी मूवी या वेब सीरीज में नहीं देखा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक्टिंग के फील्ड से दूर शरद फिलहाल अपने परिवार के साथ कोलकाता में रह रहे हैं। हालांकि, मुंबई में भी उनका एक आलीशान बंगला है, जहां वह समय-समय पर जाते हैं।

मशहूर एक्ट्रेस को हुआ स्टेज 4 ब्रेस्ट कैंसर, 9 साल की बेटी को कर दिया खुद से दूर

एक्ट्रेस और डायरेक्टर तनिष्ठा चटर्जी के फैंस के लिए दिल तोड़ देने वाली खबर सामने आई है। हसीना पर दुखों का ऐसा पहाड़ टूटा है कभी किसी दुश्मन पर भी ना टूट। तनिष्ठा चटर्जी को ब्रेस्ट कैंसर डिटेक्ट किया गया है। इससे भी ज्यादा दुख की बात ये हैं कि उन्हें स्टेज 4 ब्रेस्ट कैंसर हुआ है। तनिष्ठा चटर्जी ने अपने कैंसर की बुरी खबर के बारे में हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया है। जब तनिष्ठा को इस बारे में पता चला तो बिल्कुल टूट गई थीं। उनका कहना है कि उन्हें खुद से ज्यादा अपनी बेटी की चिंता सता रही है। तनिष्ठा ने अपने कैंसर के बारे में बात की। तनिष्ठा को अपने कैंसर के बारे में चार महीने पहले ही पता चला। उन्होंने कहा-पिछले साल मैंने कैंसर से अपने पिता को खो दिया था। मैं इस सदमे से ही उबर रही थी कि मुझे अपनी बीमारी के बारे में पता चला। तनिष्ठा ने कहा- मेरी लाइफ में सबकुछ बिखर सा गया है। मगर मैं टूटी नहीं हूं। मैंने इससे मानवता सीखी है। लोग आपकी परवाह करते हैं। पहली बार ऐसा है जब मैं स्ट्रांग बनकर थक चुकी हूं। पिछले साल मैंने अपने पिता को कैंसर की वजह से खो दिया था। मैं उनकी डेथ का शोक भी नहीं मन पाई थी। क्योंकि मेरे पास संभालने के लिए 70 साल की मां और 9 साल की बेटी है। उनके लिए मुझे मजबूत रहना थाष जिस दिन मुझे स्टेज 4 ब्रेस्ट कैंसर के बारे में पता चला तो मैंने सोचा मेरे साथ ऐसा क्यों हुआ। ये मेरे कौन से कर्म है? मैं तबाह हो गई थी। तनिष्ठा ने आगे बताया कि उन्होंने अपनी बेटी को बहन के साथ अमेरिका भेज दिया है। उन्होंने कहा- वो मुझसे दूर नहीं जाना चाहती थी लेकिन मैं नहीं चाहती थी कि उसका बचपन खराब हो। मैं नहीं चाहती थी कि वो खुद को अकेला समझे। मैं चाहती हूं कि उसे पता चले कि मेरे अलावा भी उसके पास प्यार करने वाले लोग हैं।

दीपशिखा नागपाल ने बताया शाहरुख से पहली मुलाकात का किस्सा

शाहरुख खान बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार हैं। उनकी फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' ने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया। उनकी ऑनस्क्रीन इमेज ने कई लोगों को उनका दीवाना बना दिया। एक्ट्रेस दीपशिखा नागपाल भी उन्हीं में से एक थीं। हाल ही में दीपशिखा ने 'इंस्टैंट बॉलीवुड' से बातचीत में बताया कि जब उन्हें 'कोयला' फिल्म में शाहरुख के साथ काम करने का मौका मिला, तो वह बहुत उत्साहित थीं। वह शाहरुख के 'राज' के रोल से इंप्रेस थीं और उन्हें शाहरुख से प्यार था, लेकिन जब 'कोयला' फिल्म के सेट पर शाहरुख से उनकी पहली मुलाकात हुई, तो चीजें थोड़ी अलग निकलीं। पहले ही सीन में दीपशिखा को शाहरुख की बाहों में मरना था। वह नर्वस थीं। तभी डायरेक्टर राकेश रोशन ने उनकी तारीफ की। उन्होंने शाहरुख से कहा, 'दीपशिखा बहुत शानदार एक्ट्रेस हैं।' लेकिन शाहरुख का जवाब था, 'देखते हैं।' यह सुनकर दीपशिखा का ईगो हर्ट हुआ। उन्हें यह रूड लगा। दीपशिखा ने इस बात को चैलेंज की तरह लिया। उन्होंने अपना सीन बेहतरीन तरीके से किया, वह सीन बाद में एडिट कर दिया गया। हालांकि, वह आज भी उस पल को याद करती हैं। वह कहती हैं, 'मैं अब भी उस सीन को महसूस कर सकती हूं।' बता दें कि समय के साथ शाहरुख और दीपशिखा के बीच दोस्ती हो गई। शाहरुख ने बादशाह फिल्म के लिए खुद दीपशिखा का नाम सुझाया था। प्रोड्यूसर रतन जैन ने उन्हें बताया था कि यह सिफारिश शाहरुख ने की थी, लेकिन शाहरुख ने कभी इसका जिक्र नहीं किया। दीपशिखा ने ये भी बताया कि वह बाद में भी शाहरुख के साथ कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं, लेकिन उन्होंने हमेशा प्रोफेशनल दूरी बनाए रखी। सेट पर वे दोस्त बन गए थे, लेकिन वह सिर्फ अपने काम पर फोकस करती थीं। दीपशिखा को हाल ही में वेब सीरीज 'रायसिंघानी VS रायसिंघानी' और टीवी शो 'इश्क जबरिया' में देखा गया था। 'कोयला' और 'बादशाह' के अलावा उन्होंने 'पार्टनर', 'जानम समझा करो', 'दिल्लगी' जैसी फिल्मों में भी काम किया है। वह सतीश कौशिक के साथ फिल्म धूम धड़ाका में भी नजर आईं। उन्होंने कई टीवी सीरियल्स में भी काम किया है। डायरेक्टर के तौर पर उनकी पहली फिल्म ये दूरियां अगस्त 2011 में रिलीज हुई थी। दीपशिखा ने 2014 में बिग बॉस 8 में भी भाग लिया था।

कैटरीना बनीं मालदीव की ग्लोबल टूरिज्म एम्बेसडर

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ अब मालदीव की ग्लोबल टूरिज्म एम्बेसडर बन गई हैं। मंगलवार को सोशल मीडिया पर यह घोषणा की गई। विजिट मालदीव ने इस खबर को शेयर करते हुए कहा कि वे कैटरीना कैफ को अपने ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर के रूप में पाकर बेहद खुश हैं। गौरतलब है कि कैटरीना भारत में ब्रांड एंडोर्समेंट की दुनिया का बड़ा चेहरा हैं। कैटरीना ने इस मौके पर कहा, 'मालदीव लग्जरी और नेचुरल ब्यूटी का शिखर है, ऐसी जगह जहां सादगी और शांति एक साथ मिलती है। 'सनी साइड ऑफ लाइफ' का फेस बनकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। इस कोलेबोरेशन के जरिए मैं दुनियाभर के लोगों को मालदीव की खासियत और बेहतरीन यात्रा अनुभव से परिचित कराने के लिए उत्साहित हूं।' यह कोलेबोरेशन ऐसे वक्त में हुआ है जब भारत और मालदीव के रिश्तों में पिछले साल जनवरी के बाद से कुछ कड़वाहट देखी गई थी। विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल कैंपेन लॉन्च किया है ताकि दुनियाभर से ज्यादा से ज्यादा सैलानी मालदीव की खूबसूरती, समृद्ध समुद्री जीवन और लग्जरी अनुभवों को जान सकें।

इंग्लैंड दौरे पर श्रेयस की अनदेखी से भड़के सौरव गांगुली, चयनकताओं को लताड़ा; कहा- मैं होता तो...

एजेंसी ● नई दिल्ली

पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली का मानना है कि श्रेयस अय्यर को इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में चुना जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि वह अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, ऐसे में उन्हें मौका मिलना चाहिए। बता दें कि, भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से खेली जाएगी। आगामी सीरीज के लिए भारतीय टीम इंग्लैंड पहुंच चुकी है और जमकर अभ्यास कर रही है।सौरव गांगुली ने रेवस्पोर्ट्ज को दिए एक इंटरव्यू में श्रेयस अय्यर की अनदेखी पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा- पिछले एक साल से वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखा रहे हैं और उन्हें इस टीम में होना चाहिए था। पिछला एक साल उनके लिए शानदार रहा है। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें टीम से बाहर रखा गया। वह अब दबाव में रन बना रहे हैं, जिम्मेदारी ले रहे हैं और शॉर्ट बॉल को अच्छी तरह खेल रहे हैं। हालांकि टेस्ट क्रिकेट अलग है, लेकिन मैं उन्हें इस सीरीज में शामिल करना चाहता था ताकि देख सकूं कि वह क्या कर सकते हैं।आगामी सीरीज के लिए चुने गए 18 सदस्यीय स्क्वॉड में श्रेयस अय्यर को शामिल नहीं किया गया है। 30 वर्षीय बल्लेबाज ने अब तक भारत के लिए 14 टेस्ट मुकाबले खेले हैं। इनमें उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतकों की मदद से 811 रन बनाए। उन्हें आखिरी बार इस प्रारूप में इंग्लैंड के खिलाफ पिछले साल खेलते देखा गया था, जब टीम भारत दौरे पर आई थी।

रणजी और आईपीएल में चमके अय्यर

दाएं हाथ के बल्लेबाज ने रणजी ट्रॉफी 2024-25 में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने मुंबई के लिए सात पारियों में 68.57 की औसत से दो शतकों के साथ 480 रन बनाए थे। आईपीएल की बात करें तो उन्होंने पंजाब किंग्स का नेतृत्व करते हुए टीम को फाइनल में पहुंचाया था। हालांकि, वह टीम को जीत नहीं दिला सके। आरसीबी ने पंजाब को छह रन से हराकर फाइनल मुकाबला अपने नाम किया था और ट्रॉफी जीती थी। इस सीजन श्रेयस का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने 17 मैचों में 604 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से छह अर्धशतक निकले। इस दौरान गांगुली ने जसप्रीत बुमराह के फॉर्म पर भी बात की। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ बुमराह का प्रदर्शन भारत के लिए बहुत मायने रखेगा। उन्होंने आगे कहा- हमें बस दो चीजों की जरूरत है, अच्छी बल्लेबाजी और जसप्रीत बुमराह का फिट रहना। हमने ऑस्ट्रेलिया में, मेलबर्न (2020-21) में, युवा बल्लेबाजी लाइन-अप के साथ जीत हासिल की, जिसमें विराट कोहली या रोहित शर्मा नहीं थे। इसलिए मुझे नहीं लगता कि हम क्यों नहीं जीत सकते।

भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरा (शेड्यूल)

भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट दो जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा, जबकि चौथा टेस्ट मैनचेस्टर में 23 जुलाई से खेला जाएगा।

स्टीव स्मिथ ने जड़ा पचासा, ब्यू वेबस्टर भी दे रहे साथ; स्कोर 100 के पार पहुंचा

एजेंसी ● लंदन

स्टीव स्मिथ ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में 76 गेंदों में अर्धशतक जड़ा है। वह शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उनका साथ देने के लिए ब्यू वेबस्टर मौजूद हैं। ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 100 के पार पहुंच गया है।लंच ब्रेक के बाद दूसरे सत्र का खेल शुरू हो गया है। स्टीव स्मिथ का साथ देने के लिए ब्यू वेबस्टर आए हैं।विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहले दिन लंच ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट गंवाकर 67 रन बना लिए हैं। लंच से ठीक पहले ट्रेविस हेड 11 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मार्को यानसेन ने विकेटकीपर वेरेने के हाथों कैच कराया। अभी तक कगिसो रबाडा और यानसेन दो-दो विकेट ले चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया की पारी

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत नहीं रही थी। रबाडा ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर कंगारुओं की कमर तोड़ दी। उन्होंने पारी के सातवें ओवर में तीसरी गेंद पर उस्मान ख्वाजा को स्लिप में बेडिंघम के हाथों और आखिरी गेंद पर कैमरन ग्रीन को मार्करम के हाथों कैच कराया। ख्वाजा खाता नहीं खोल सके। वहीं, ग्रीन चार रन बना सके। इसके बाद मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ ने तीसरे विकेट के लिए 30 रन की साझेदारी निभाई। जब लगा कि यह साझेदारी जम गई है तो यानसेन ने झटका दिया। उन्होंने लाबुशेन को विकेटकीपर वेरेने के हाथों कैच कराया। लाबुशेन 17 रन बना सके। वहीं, इसके बाद यानसेन ने हेड को आउट कर चौथा झटका दिया। फिलहाल स्टीव स्मिथ 51 गेंद में पांच चौके की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद हैं। इस मैच को देखने कई दिग्गज पहुंचे हैं। इनमें आईसीसी अध्यक्ष जय शाह और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस भी शामिल हैं।ऑस्ट्रेलिया को 46 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा। मार्को यानसेन ने मार्नस लाबुशेन को विकेटकीपर वेरेने के हाथों कैच कराया। वह 17 रन बना सके।

फिलहाल स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड क्रीज पर हैं।ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट पर 40 से ज्यादा रन बना लिए हैं। स्टीव स्मिथ 30 से ज्यादा गेंद और लाबुशेन 50 से ज्यादा गेंद खेल चुके हैं और दोनों की आंखें मैदान पर जम चुकी हैं। दक्षिण अफ्रीका को इस साझेदारी को तोड़ना होगा, नहीं तो ये दोनों बल्लेबाज अगर जमे तो बड़ा स्कोर बना सकते हैं।16 रन पर ऑस्ट्रेलिया के दो विकेट गिर चुके हैं। रबाडा ने पारी के सातवें ओवर में ख्वाजा के बाद कैमरन ग्रीन को आउट किया। ख्वाजा खाता नहीं खोल सके। वहीं, ग्रीन ने चार रन बनाए। फिलहाल मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ क्रीज पर हैं। 12 के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका लगा। कगिसो रबाडा ने उस्मान ख्वाजा को स्लिप में बेडिंघम के हाथों कैच कराया। वह खाता नहीं खोल सके। फिलहाल कैमरन ग्रीन और मार्नस लाबुशेन क्रीज पर हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपनर्स उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन क्रीज पर हैं। शुरूआती तीन ओवर में कोई भी रन नहीं बना है। तीनों ओवर मेडन रहे।दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के कप्तान कमिंस ने कहा कि वह पहले बल्लेबाजी करके खुश हैं। दोनों ही टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग-11: उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड।

दक्षिण अफ्रीका की प्लेइंग-11: तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्करम, रियान रिकेल्टन, वियान मुल्डर, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड बेडिंघम, काइल वेरेने (विकेटकीपर), मार्को यानसेन, केशव महाराज, कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी।उस्मान ख्वाजा के साथ मार्नस लाबुशेन ओपनिंग करते दिखेंगे। टीम के लिए लाबुशेन की फॉर्म चिंता की विषय है, लेकिन हरफनमौला कैमरून ग्रीन ने सर्जरी से वापसी करते हुए काउंटी क्रिकेट में ग्लूस्टरशर का प्रतिनिधित्व करते हुए तीन शतक जड़ कर शानदार वापसी की है। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी में अनुभव की कोई कमी नहीं है। टीम में ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक शीर्ष 10 विकेट लेने वालों में से चार गेंदबाज शामिल है। इसमें नाथन लियोन (553, तीसरे), मिचेल स्टार्क (382, चौथे), कप्तान पैट कमिंस (294, आठवें) और हेजलवुड (279, 10वें) का नाम हैं।ऑस्ट्रेलिया टीम के पास भारत के खिलाफ पिछले डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने वाले प्लेइंग-11 से डेविड वॉर्नर को छोड़कर बाकी के 10 खिलाड़ी मौजूद है। मध्यम गति के गेंदबाज जोश हेजलवुड उस मैच को चोट के कारण नहीं खेल पाए थे। वह हालांकि उस टीम में शामिल रहे स्कॉट बोलैंड की जगह लेने के लिए तैयार हैं। हेजलवुड ने कंधे की चोट से उबरते हुए पिछले सप्ताह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभई। उन्होंने आईपीएल में 12 मैचों में 22 विकेट लेकर दमदार प्रदर्शन किया।

दक्षिण अफ्रीका की इस टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है और टीम तटस्थ स्थल पर खेले जाने वाले इस मैच के जरिये पिछली विफलताओं को भुलाना चाहेगी। टीम ने डब्ल्यूटीसी के 2023-25 चक्र में सबसे ज्यादा 30 खिलाड़ियों का इस्तेमाल किया। इसमें से ज्यादातर खिलाड़ी सही समय पर रन बनाने वाले या विकेट लेने वाले निकले। टीम लगातार सात टेस्ट में जीत के साथ डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने के लिए तैयार है। उसने पिछले साल दिसंबर में ही इसका टिकट पक्का कर लिया था।रबाडा के नाम 327 टेस्ट विकेट हैं। उन्हें मार्को यानसेन से बेहतर मदद की उम्मीद होगी।

वामहस्त तेज गेंदबाज यानसेन ने डब्ल्यूटीसी चक्र में छह मैचों में 29 विकेट चटकाए हैं। टीम में लुंगी एनगिडी और डेन पैटरसन तेज गेंदबाजी के तीसरे विकल्प होंगे। एनगिडी आईपीएल खेल कर वहां पहुंच है तो वही पेटरसन ने हाल में काउंटी क्रिकेट खेला है। एडेम मार्करम और रयान रिकेल्टन दक्षिण अफ्रीका के लिए पारी का आगाज करेंगे, जबकि कप्तान बावुमा चौथे स्थान पर बल्लेबाजी करेंगे।ऑस्ट्रेलिया टीम के लिए मार्नस लाबुशेन की फॉर्म चिंता की विषय है लेकिन हरफनमौला कैमरून ग्रीन ने सर्जरी से वापसी करते हुए काउंटी क्रिकेट में ग्लूस्टरशर का प्रतिनिधित्व करते हुए तीन शतक जड़ कर शानदार वापसी की है। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी में अनुभव की कोई कमी नहीं है। टीम में ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक शीर्ष 10 विकेट लेने वालों में से चार गेंदबाज शामिल है। इसमें नाथन लियोन (553, तीसरे), मिशेल स्टार्क (382, चौथे), कप्तान पैट कमिंस (294, आठवें) और हेजलवुड (279, 10वें) का नाम हैं।

इंग्लैंड में भारतीय टीम को खलेगी दिग्गजों की कमी, रोहित-कोहली और अश्विन-शमी के आंकड़े दे रहे गवाही

एजेंसी ● नई दिल्ली

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम तैयार है। शुभमन गिल के नेतृत्व में टीम इंडिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नए चक्र की शुरूआत करेगी। गिल को रोहित शर्मा की जगह टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया है। ऋषभ पंत इस सीरीज में उपकप्तान की भूमिका में होंगे। यह पहला मौका होगा जब रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास के बाद भारतीय टीम कोई टेस्ट सीरीज खेलने उतरेगी। हैरानी की बात यह है कि चयनकताओं ने मोहम्मद शमी को भी टीम में शामिल नहीं किया है। ऐसे में तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई का पूरा जिम्मा जसप्रीत बुमराह पर होगा। उनका साथ देने के लिए मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा मौजूद होंगे।

आंकड़ों पर नजर डालें तो रोहित, विराट, अश्विन और शमी ने इंग्लैंड में प्रभावित किया है। विराट कोहली ने 33.2 के औसत से 1096 रन बनाए हैं। वहीं, रोहित शर्मा के नाम 524 रन दर्ज हैं। अश्विन ने ऑलराउंड प्रदर्शन के साथ 18 विकेट और 261 रन बनाए हैं जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को इस धरती पर 42 विकेट मिले हैं। ऐसे में साफ है कि भारतीय टीम को इन अनुभवी खिलाड़ियों की कमी खलेगी।गिल नई जिम्मेदारी के लिए तैयार हैं, लेकिन उनके सामने चुनौती बड़ी है। गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारतीय टेस्ट टीम बदलाव के दौर से गुजरी है और अब उसे नतीजे देने होंगे। दरअसल, भारत ने 2007 के बाद से इंग्लैंड में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है, ऐसे में सभी के मन में यही सवाल उठ रहा है कि क्या गिल-गंभीर की ये जोड़ी 18 साल का सूखा समाप्त कर पाएगी? भारत ने आखिरी बार 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में टेस्ट सीरीज जीती थी। उस वक्त तीन मैचों की सीरीज में भारत 1-0 से जीत दर्ज करने में सफल रहा था। 2007 के बाद से भारतीय टीम चार बार इंग्लैंड दौरे पर गई, लेकिन जीत का स्वाद नहीं चख सकी।भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट दो जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा, जबकि चौथा टेस्ट मैनचेस्टर में 23 जुलाई से खेला जाएगा। पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के ओवल में खेला जाएगा। इस सीरीज के साथ ही भारत के नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र (2025-27) की शुरूआत भी हो जाएगी। यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

2025 का सबसे बड़ा उलटफेर, अहमदाबाद एसजी पाइपर्स ने कोलकाता थंडरब्लेड्स को दी मात

अहमदाबाद: भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी स्नेहित सुरवज्जुला ने अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) सीजन 6 का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर मौजूद क्वाड्री अरुणा को सीधे गेमों में 3-0 से हराकर अहमदाबाद एसजी पाइपर्स को कोलकाता थंडरब्लेड्स पर 8-7 से रोमांचक जीत दिलाई। अहमदाबाद ने यह मुकाबला जीत लिया, लेकिन उनकी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें इस जीत के बावजूद खत्म हो गईं। दूसरी ओर, कोलकाता को अपनी किस्मत जानने के लिए अब सीजन के अंतिम दो मुकाबलों तक का इंतजार करना होगा। इस परिणाम के साथ ही डेम्पो गोवा चैलेंजर्स और दबंग दिल्ली टीटीसी ने प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली है।शाम की शुरूआत रोमांच से हुई जब जर्मन खिलाड़ी रिकार्डो वाल्टर ने कोलकाता के अंकुर भट्टाचार्य को सीजन की पहली हार चखाई।

अंकुर ने पहले गेम में 7-1 की बढ़त ली थी, लेकिन वाल्टर ने जबरदस्त वापसी करते हुए यह गेम 11-10 से जीत लिया। इसके बाद उन्होंने दूसरा गेम 11-5 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। अंकुर ने आखिरी गेम जीतकर कोलकाता को मुकाबले में बनाए रखा।महिला एकल में, आयहिका मुखर्जी ने प्यूर्टो रिको की दिग्गज खिलाड़ी एड्रियाना डियाज के खिलाफ पहला गेम जीत लिया, लेकिन डियाज ने अगला दोनों गेम बड़े अंतर से जीतकर मुकाबला 2-1 से अपने नाम किया। निर्णायक गेम में डियाज ने 11-1 से बाजी मारी। मिक्स्ड डबल्स में अंकुर और डियाज ने दबाव के क्षणों में संयम बरतते हुए वाल्टर और आयहिका को 2-1 से हराया।अब तक सीजन में जीत की तलाश कर रहे स्नेहित ने चौथे मैच में क्वाड्री अरुणा को 3-0 से हराकर जबरदस्त प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले गेम में 9-10 और दूसरे गेम में 5-8 से पिछड़ने के बावजूद वापसी की और आक्रामक फोरहैंड शॉट्स के दम पर एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। यह यूटीटी सीजन 6 की सबसे बड़ी व्यक्तिगत जीतों में से एक रही।अंतिम मैच में तमिलनाडु की यशिनी शिव-शंकर और सेलिना सेल्वाकुमार आमने-सामने थीं, जो हाल ही में डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर चेन्नई सर्किट में डबल्स जोड़ीदार भी रही हैं। इस मुकाबले में सेलिना ने 2-1 से जीत दर्ज कर इस सीजन की अपनी पहली जीत हासिल की। स्नेहित को ह्यभारतीय प्लेयर ऑफ द टाईह्व और डियाज को ह्यविदेशी प्लेयर ऑफ द टाईह्व चुना गया, जबकि रिकार्डो वाल्टर को ह्यशॉट ऑफ द टाईह्व अवॉर्ड मिला।

साओ पाओलो के नियो विवमिका एरिना में विश्व कप 2026 क्वालीफाइंग फुटबॉल मैच के दौरान पैराग्वे के गुस्तावो गोमेज (बीच में) और ब्राजील के मार्क्विन्होस गेंद के लिए लड़ते हुए।

ऐसी बेइज्जती पर तो संन्यास ले लेना चाहिए! बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, शाहीन अफरीदी के साथ ये क्या हुआ?

एजेंसी ● कराची

राष्ट्रीय सीनियर पुरुष चयन समिति ने पूर्व कप्तानों बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की अनदेखी जारी रखी है। उन्हें बेइज्जत करते हुए बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के आगामी दौरे के लिए टी20 टीम से बाहर कर दिया है। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के चयनकताओं ने वाइट-बॉल हेड कोच माइक हेसन और कप्तान सलमान आगा के परामर्श से सीनियर खिलाड़ियों को शामिल नहीं करने का फैसला किया। यह निर्णय वाइट-बॉल दौरों और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में उनके हालिया प्रदर्शन पर आधारित लगता है।

रिजवान की अगुआई में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका में 2-0 से टी20 सीरीज में हार का सामना किया, जिसमें बाबर ने भी हिस्सा लिया था। उसके बाद, दोनों को न्यूजीलैंड दौरे और बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज से बाहर कर दिया गया।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'पाकिस्तान का प्रबंधन और चयन समिति बाबर और रिजवान से आगे बढ़ना चाहती है, जबकि हेसन और सलमान दोनों ने कहा है कि दोनों पूर्व सलामी बल्लेबाजों के लिए दरवाजा बंद नहीं हुआ है, जिनका स्ट्राइक रेट और टी20 में बल्लेबाजी फॉर्म हाल की हार में पाकिस्तान की समस्याओं का हिस्सा रहा है।'चयन समिति, जिसमें अब पूर्व कप्तान सरफराज अहमद और पूर्व तेज गेंदबाज सिकंदर बख्त पर्यवेक्षक हैं, ने यह सुनिश्चित किया है कि बांग्लादेश और वेस्टइंडीज में तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए टीमों में इनमें से कोई भी समस्याग्रस्त खिलाड़ी नहीं होगा। रिपोर्ट में एक अन्य स्त्रोत के हवाले से कहा गया है। पाकिस्तान 20, 22 और 24 जुलाई को बांग्लादेश से खेलेगा और उसके बाद फ्लोरिडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच टी20 खेलेगा। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि हेसन बांग्लादेश सीरीज के लिए बाबर और रिजवान को टीम में चाहते थे, लेकिन पूर्व स्टार आकिब जावेद ने उन्हें यह कहकर शामिल करने से इनकार कर दिया कि अपेक्षाकृत आसान घरेलू सीरीज में कुछ युवाओं को आजमाया जाना चाहिए।शाहीन न्यूजीलैंड दौरे पर टीम का हिस्सा थे, जहां टिम सीफर्ट ने उन्हें पछाड़ दिया और पाकिस्तान ने सीरीज 4-1 से गंवा दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि शाहीन ने चार मैचों में 10.23 की इकॉनमी से सिर्फ दो विकेट लिए और आखिरी गेम के लिए उन्हें बाहर कर दिया गया। सूत्रों ने कहा कि कप्तान और टीम प्रबंधन के साथ शाहीन के असहयोगी होने की खबरें भी उनके खिलाफ गईं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हेसन ने लाहौर में तैयारी सत्रों के दौरान तीनों सितारों - बाबर, शाहीन और रिजवान से मुलाकात की और चयन के लिए अपनी रणनीति पर चर्चा की और तीनों खिलाड़ियों के लिए अपनी योजनाओं के बारे में उन्हें जानकारी दी।सूत्रों ने यह भी कहा कि कप्तान सलमान आगा शाहीन को टीम में शामिल करने के खिलाफ थे क्योंकि वह युवाओं को आजमाने और एक अच्छा बैकअप तैयार करने की अपनी योजना को जारी रखना चाहते हैं। पाकिस्तान को अफगानिस्तान, आयरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के साथ टी-20 सीरीज भी खेलनी है, ताकि अगले साल भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए अपनी टीम को मजबूत तैयारियां करने का मौका मिल सके।

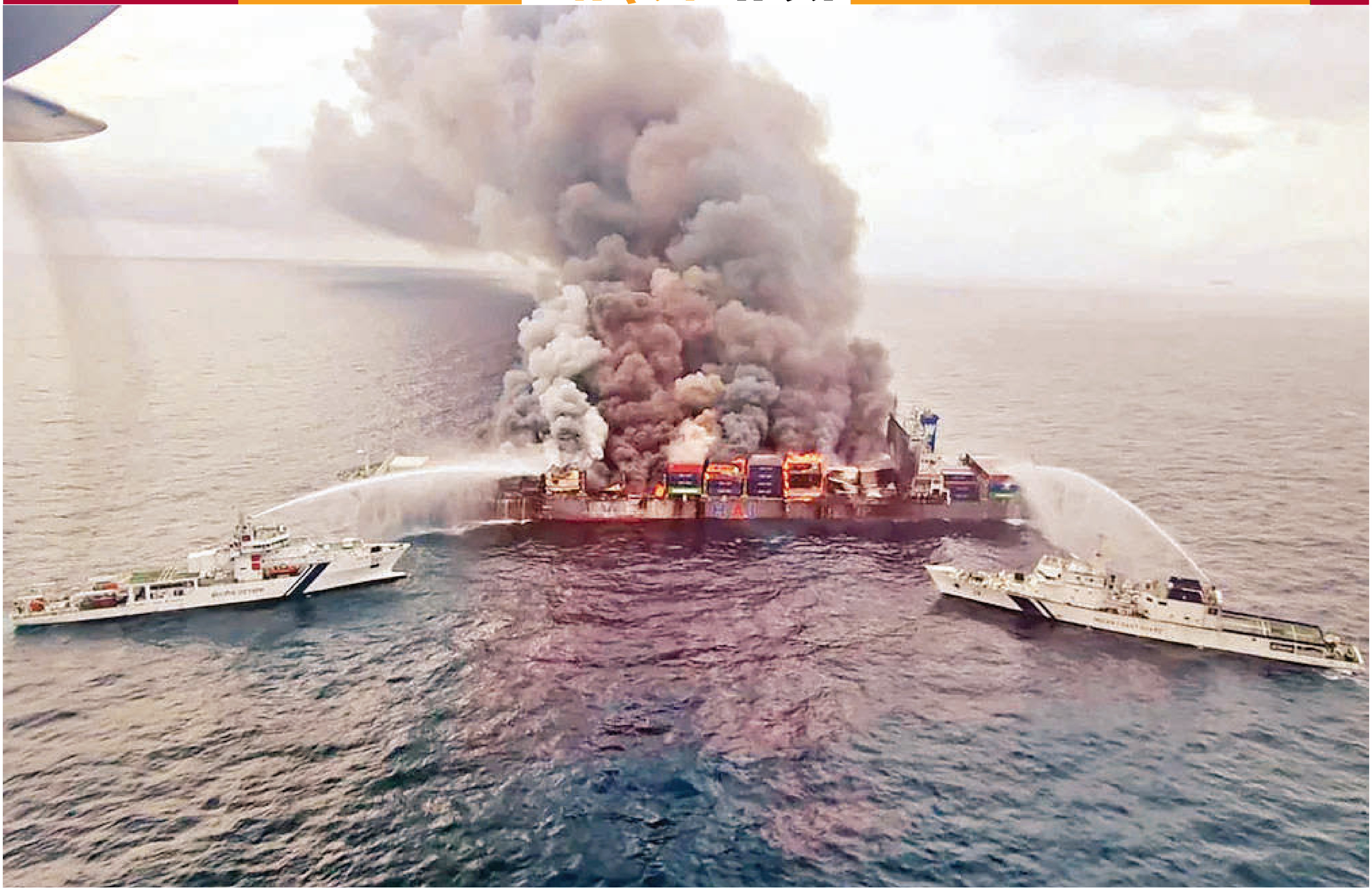

बेपोर, भारत। सिंगापुर के झंडे वाले कंटेनर जहाज एमवी वान है 503 से धुआँ निकलता हुआ, जिसमें बंदरगाह से 78 समुद्री मील दूर आग लग गई।

शॉट न्यूज

लॉस एंजेलिस में सड़कों पर उतरे लोग, जवानों की तैनाती बढ़ाई

वाशिंगटन। अमेरिका की सेना सोमवार को करीब 700 मरीन जवानों को लॉस एंजेलिस भेज रही है। यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आव्रजन (इमिग्रेशन) नीतियों के खिलाफ हो रहे हिंसक विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह तैनाती कुछ समय के लिए होगी और इन जवानों का काम पहले से वहां मौजूद नेशनल गार्ड सैनिकों की मदद करना है। उम्मीद है कि यह संख्या बढ़कर 2,000 हो जाएगी। हालांकि, अभी तक अमेरिका की सरकार ने विद्रोह कानून लागू नहीं किया है, जिससे सेना को पुलिस की तरह काम करने की इजाज़त मिलती है। एक अधिकारी ने बताया कि स्थिति लगातार बदल रही है, लेकिन फिलहाल यह कानून लागू करने की कोई योजना नहीं है। लॉस एंजेलिस में लोग लगातार तीसरे दिन प्रदर्शन कर रहे हैं। पहले 300 नेशनल गार्ड के सैनिक वहां भेजे गए थे।

किरायेदार ने ही ले ली केयरटेकर की जान, हत्या की वजह आई सामने

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में पीजी के केयरटेकर हत्याकांड को पुलिस ने सुलझा लिया है। इस मामले में अब पुलिस ने सात दिन में सुलझाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सात दिन पहले जिले के फर्रूखनगर में किराए के विवाद के चलते एक पीजी के केयरटेकर की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी और अब फर्रूखनगर थाना पुलिस ने इस हत्याकांड के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी पीजी में रहते थे। जानकारी के अनुसार, घटना 4 जून की है, जब श्री श्याम पीजी, जाट कॉलोनी के कमरे नंबर-4 में 24 वर्षीय केयरटेकर नरेंद्र उर्फ तोता का शव मिला। पुलिस को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू की। जांच में तीनों आरोपी 20 वर्षीय राहुल उर्फ पप्पलू (हिसार), 23 वर्षीय सूरज (हिसार) और 31 वर्षीय बिट्टू उर्फ कमांडो (मेरठ)—पीजी में 5,000 रुपये मासिक किराये पर रुके थे, लेकिन इन्होंने सिर्फ 3,000 रुपये दिए थे।

इतिहास की सबसे खूनी स्कूल शूटिंग!, फिर खुद को भी उड़ाया

पूर्व स्टूडेंट ने बदले की आग में 9 को मारा

नई दिल्ली/विएना ● एजेंसी

ऑस्ट्रिया के ग्राज शहर में जो हुआ, उसने पूरे देश को दहला दिया। इतिहास की सबसे भयावह स्कूल शूटिंग में 21 साल के एक पूर्व छात्र ने 9 लोगों को मौत के घाट उतार दिया और फिर खुद को भी गोली मारकर जान दे दी। इस हमले में 12 अन्य लोग घायल हुए हैं। यह घटना पोस्ट-वार ऑस्ट्रियन इतिहास में अब तक की सबसे खून-खराबे वाली स्कूल शूटिंग मानी जा रही है। यह खूनी वारदात ग्राज़ के एक सेकेंडरी स्कूल में हुई।

धमाका

हमलावर स्कूल का पूर्व छात्र था, जिसने यहां से पढ़ाई तो की थी लेकिन ग्रेजुएट नहीं हो पाया था। ऑस्ट्रिया के गृह मंत्री गेरहार्ड कर्नर ने जानकारी दी कि यह युवक स्कूल में घुसा और दो हथियारों – एक लॉन्ग गन और एक हैंडगन – से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, दोनों हथियार हमलावर के नाम पर कानूनी रूप से रजिस्टर्ड थे और उसके पास फायरआर्म लाइसेंस भी था। हमलावर ने हमले के बाद स्कूल के एक बाथरूम में जाकर खुद को भी गोली मार ली। पुलिस का कहना है कि यह युवक पहले से किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल नहीं था और पुलिस के रिकॉर्ड में उसका कोई आपराधिक इतिहास दर्ज नहीं था।

हमलावर की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं...

अभी तक पुलिस ने इस युवक की पहचान सार्वजनिक नहीं की है। हालांकि यह स्पष्ट है कि वह ग्राज़ क्षेत्र का निवासी था और उसी स्कूल का पूर्व छात्र था जहां हमला हुआ। जानकारी के अनुसार, वह स्कूल से अनसैटिस्फैक्टरी एग्जिट के बाद गहरे अवसाद और गुस्से में था। हमले के पीछे बदले की भावना को प्रमुख वजह माना जा रहा है, लेकिन जांच अभी जारी है।गृह मंत्री के अनुसार, इस हमले में 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनमें 6 महिलाएं और 3 पुरुष शामिल थे। इसके अलावा 12 लोग गंभीर रुप से घायल हुए हैं, जिनका इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। घटना के बाद पूरे ऑस्ट्रिया में शोक की लहर दौड़ गई है। सरकार ने तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है और बुधवार सुबह 10 बजे पूरे देश में एक मिनट का मौन रखा जाएगा।

दर्दनाक सड़क हादसा दूल्हा-दुल्हन समेत पांच की मौत, छह अन्य घायल

जयपुर ● एजेंसी

राजस्थान के जयपुर में भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि छह गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस हादसे में दूल्हा और दुल्हन की भी मौत हो गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ये हादसा जयपुर ग्रामीण क्षेत्र के जमवारामगढ़ के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 148 (दौसा-मनोहरपुर हाईवे) पर हुआ है। इस घटना में एक कार और कंटेनर के बीच भीषण भिड़ंत हुई है। जानकारी के अनुसार, दूल्हा-दुल्हन अपने परिजनों और रिश्तेदारों के साथ मध्य प्रदेश से शादी समारोह के बाद वापस लौट रहे थे। तभी उनकी कार की सामने से आ रहे कंटेनर से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही रायसर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। कार में कुल 14-15 लोग सवार थे। हादसे में दूल्हा-दुल्हन समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल एक अन्य व्यक्ति ने निम्स अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

तुर्की को अजरबैजान ने दिखाई आंख, इजरायल से कर ली बड़ी डील

नई दिल्ली ● एजेंसी

तुर्की को इस बार गहरी चोट लगी है। जिस अजरबैजान को वह अपना गहरा दोस्त समझ रहा था, उसी अजरबैजान ने तुर्की की एक ना सुनी। गाजा पर हमले के बाद जब तुर्की ने इजरायल से सारे रिश्ते तोड़ डाले, तब अजरबैजान ने उल्टा इजरायल से गुपचुप डील कर ली। तेल की सप्लाई अब भी जारी है, बस तरीका थोड़ा स्मार्ट हो गया है। दरअसल, अजरबैजान ने अक्टूबर 2024 में इजरायल को तेल बेचना बंद कर दिया था। ऐसा कागजों में दिखाया गया। लेकिन असल में तेल जा तो अब भी रहा है। बस डायरेक्ट नहीं, बल्कि थर्ड पार्टी ट्रेडर्स के जरिए। यानी तेल किसी और देश के नाम भेजा जाता है, लेकिन असल में वह इजरायल पहुंचता है। ये सब तुर्की को बिल्कुल पसंद नहीं आया। क्योंकि जिस पाइपलाइन से ये तेल आता है, वो तुर्की से होकर गुजरती है। तुर्की ने इजरायल से सारे व्यापारिक रिश्ते तोड़ दिए थे। यहां तक कि अपने पोर्ट से तेल भेजने से भी मना कर दिया। लेकिन सच्चाई ये है कि तेल से भरे जहाज निकलते रहे। सीधे तौर पर कहें तो अजरबैजान ने तुर्की को ठेंगा दिखा दिया। इससे पाकिस्तान भी टेंशन में होगा, क्योंकि तुर्की और अजरबैजान दोनों उसके गहरे दोस्त हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, छ टैंकर जैसे किमोलोस और सीवीगर ने चालाकी दिखाई। वो ट्रैकिंग सिस्टम बंद कर देते हैं और 'कागजों में' मिस्र जैसे देशों के लिए रवाना होते हैं। लेकिन कुछ दिन बाद वही जहाज इजरायल में दिखाई देते हैं। सैटेलाइट इमेज से ये सब पकड़ा गया है। यानी आंखों में धूल झोंकने की पूरी तैयारी थी।

शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक उड़ान पर ब्रेक?

नासा-स्पेसX का करोड़ों डॉलर का मिशन फंसा! क्या इस बार भी धोखा देगा मौसम?

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य एस्ट्रोनॉट्स के लिए अंतरिक्ष स्टेशन तक की ऐतिहासिक यात्रा पर फिलहाल मौसम ने ब्रेक लगा दिया है। नासा, SpaceX और Axiom Space इस मिशन को लेकर सांसें थामे बैठे हैं। फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरने वाली SpaceX रॉकेट अब 11 जून तक इंतजार करेगी। नासा और SpaceX दोनों पूरी तैयारी में हैं, लेकिन आखिरकार अंतिम फैसला प्रकृति के मिजाज पर ही टिका है। अगले 24-48 घंटे शुभांशु शुक्ला और भारत के लिए बेहद अहम रहने वाले हैं। दुनिया की नजर अब फ्लोरिडा के आसमान पर टिकी है।

ब्रेक

नासा और SpaceX की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में SpaceX के वाइस प्रेसिडेंट विलियम गर्स्टनमेयर ने बताया कि Falcon-9 रॉकेट में हालिया 'स्टेटिक फायर टेस्ट' के दौरान कुछ तकनीकी खामियां सामने आईं। इनमें से एक बड़ी खामी 'लॉक्स लीक' के रूप में मिली, जो पिछले मिशन के दौरान बूस्टर के एंट्री फेज में देखी गई थी लेकिन ठीक से रिपेयर नहीं हुई थी।

मौसम फिर बन रहा सबसे बड़ी चुनौती

इसरो के चेयरमैन वी. नारायणन ने सोमवार को कहा कि खराब मौसम के चलते एएक्स-4 मिशन की लॉन्च डेट 10 जून से 11 जून कर दी गई है। भारतीय समयानुसार 11 जून को शाम 5:30 बजे लॉन्च का नया शेड्यूल तय किया गया है। मौसम पर नजर रख रहे यूएस स्पेश फोर्स के जिमी टैगर ने बताया कि फ्लोरिडा के ऊपर सतही उच्च दबाव प्रणाली का मूवमेंट दक्षिण-पूर्व से उत्तर की ओर हो रहा है, जिससे दक्षिण-पूर्वी हवाओं के साथ बिजली-गर्जन वाले बादल और बारिश की संभावना बढ़ गई है। टैगर के मुताबिक, पहले लॉन्च प्रयास (10 जून) के लिए प्रोपेबिलिटी ऑफ वायोलेशन (पीओवी) कम थी, लेकिन अब बुधवार के लॉन्च पर पीओवी बढ़कर 20 प्रतिशत हो गई है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।

संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)